



भाजपा ने एसआईटी जांच की 'गलत सूचना' को लेकर सरकार की @ नम्मा बेंगलूर

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 18 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-228

भाजपा की साजिश बिहार का चुनाव चुराने की है : राहुल



सासाराम, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बिहार के सासाराम से मतदाता अधिकार यात्रा की शुरुआत करते हुए कहा कि भाजपा की साजिश बिहार का चुनाव चुराने की है। कांग्रेस के इस कार्यक्रम में महागठबंधन के नेताओं का भी जुटान हुआ। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राजद प्रमुख लालू यादव, पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत कई नेता शरीक हुए। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव जीतने के चार महीने बाद भाजपा महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव जीत जाती है। जबकि ओपिनियन पोल हमारे पक्ष में था। हालांकि जब हमने इसकी गहराई से पड़ताल की तो पता चला कि विधानसभा चुनाव से पहले हर विधानसभा क्षेत्र में लाखों वोटर जोड़े गए, जिसकी बदौलत भाजपा चुनाव जीत गई। अब यही कारनामा बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर के जरिए बिहार में किया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर भाजपा हर चुनाव कैसे जीत जाती है? राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर के माध्यम से जो वोट चोरी की जा रही है, उसे हम पूरे बिहार की जनता को दिखाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान और मताधिकार को बचाने की लड़ाई है। ▶10पर

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को दी सार्वजनिक चुनौती

हलफनामा दें या माफी मांगें तीसरा कोई रास्ता नहीं

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर लगाए जा रहे आरोपों पर आज मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को खुली चुनौती दी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस बुला कर कहा कि राहुल गांधी झूठे हैं। वे अपने आरोपों को शपथपत्र के जरिए औपचारिक रूप से चुनाव आयोग को दें, या अपने झूठ के लिए देश से माफी मांगें। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, राहुल गांधी के सामने और कोई तीसरा रास्ता नहीं है। बिहार में वोट चोरी के विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही मतदाता ऐसे झूठे आरोपों से डरते हैं। बिहार एसआईआर के बाद संवैधानिक निकाय की ओर से आयोजित यह पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। इसमें ज्ञानेश कुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला और उनके आरोपों को सिर से खारिज किया। उन्होंने कहा, सिर्फ पीपीटी दिखाते से, वो भी जिसमें आंकड़े चुनाव आयोग के नहीं हैं, झूठ सच नहीं हो जाता। आपको सबूत देना होगा। उन्होंने राहुल गांधी को सीधी चेतावनी दी कि वे



वोट चोरी जैसे शब्दों का इस्तेमाल संविधान का अपमान मतदाता हों या चुनाव आयोग, झूठे प्रलापों से नहीं डरते

हलफनामा दें या देश से माफी मांगें? तीसरा कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सात दिन में हलफनामा नहीं दिया तो आरोप निराधार मान लिए जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार एसआईआर की कवायद में जल्दबाजी के आरोप पर कहा, कुछ लोग गुमराह कर रहे हैं कि एसआईआर की कवायद इतनी जल्दी क्यों की जा रही है? आप बताइए कि मतदाता सूची को चुनाव से पहले दुरुस्त करना चाहिए या बाद में? ऐसे में चुनाव आयोग अपना काम ही कर रहा है। जनप्रतिनिधित्व कानून कहता है कि आपको हर चुनाव से पहले मतदाता सूची को दुरुस्त करना होगा। यह चुनाव आयोग की कानूनी जिम्मेदारी है। फिर सवाल उठा कि क्या चुनाव समिति बिहार के सात करोड़ से ज्यादा मतदाताओं तक पहुंच पाएगी? सच्चाई यह है कि यह काम 24 जून को शुरू हुआ था। पूरी प्रक्रिया लगभग 20 जुलाई तक पूरी हो गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने साफ-साफ कहा, राहुल गांधी और विपक्ष चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति कर रहा है। ऐसे झूठे आरोपों से चुनाव आयोग डरने वाला नहीं है। पिछले दो दशकों से लगभग सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में त्रुटियों को ▶10पर

यह झूठ की बुनियाद पर कहानी गढ़ने की यात्रा है : जायसवाल



नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की मतदाता अधिकार यात्रा का टायर पहले ही पंक्चर हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट खुद इसकी निगरानी कर रहा है। भारत की जनता उन लोगों के साथ नहीं खड़ी है जिन्हें सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा नहीं है। जो लोग संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं करते। बिहार की जनता जानती है कि चुनाव आयोग उन्हें कैसे न्याय देगा। भाजपा नेता सीआर केसवन ने इसे संविधान बदनाम यात्रा करार दिया। केसवन ने राहुल गांधी पर अलोकतांत्रिक और छलपूर्ण तरीके से भय फैलाने की रणनीति के तहत संविधान खत्म करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसकी सहयोगी राजद एक व्यक्ति, एक वोट की रक्षा की बात करते हैं, लेकिन उनका असली एजेंडा एक परिवार और एक वंशवादी शासन को बहावा देने पर केंद्रित है। उन्होंने राहुल गांधी की यात्रा को संविधान बदनाम यात्रा बताया और कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को अलोकतांत्रिक और छलपूर्ण तरीके से डराने-धमकाने की राहुल गांधी की बार-बार की जा रही कोशिशें बुरी तरह विफल होंगी। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि ▶10पर

द. कोरिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत को दिया पूरा समर्थन

हम भारत के लोगों के साथ खड़े हैं



नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून ने पहलगाम आतंकी हमले और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता जाहिर की। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया भारत सरकार और भारत के लोगों के साथ खड़ा है। दक्षिण कोरिया आतंकवाद के सख्त खिलाफ है। हम इस मुद्दे पर बहुत सख्त और

दृढ़ हैं। हम किसी भी आतंकवादी हमले के सख्त खिलाफ हैं। हम भारत सरकार और भारत के लोगों के साथ खड़े हैं। भारत और दक्षिण कोरिया ने सेमीकंडक्टर, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्रों में अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके दक्षिण कोरियाई समकक्ष चो ह्यून के

डोभाल के न्यौते पर भारत आ रहे चीन के विशेष प्रतिनिधि

सीमा समस्या के समाधान की द्विपक्षीय पहल



नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य, विदेश मंत्री एवं भारत-चीन सीमा मसले पर चीन के विशेष प्रतिनिधि वांग यी 18 से 20 अगस्त तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। यह यात्रा भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) और भारत के विशेष प्रतिनिधि अजीत डोभाल के निमंत्रण पर हो रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान वांग यी और डोभाल के बीच भारत-चीन सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वीं दौर की वार्ता आयोजित की जाएगी। यह वार्ता दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के समाधान की दिशा में निरंतर चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। देश के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच आपसी हितों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह मुलाकात भारत-चीन संबंधों को संतुलित और रचनात्मक दिशा में आगे ले जाने का अवसर प्रदान करेगी। चीन के विदेश मंत्रालय ने भी अपने आधिकारिक बयान में वांग यी की भारत यात्रा की पुष्टि की है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 18 से 20 अगस्त तक विदेश मंत्री और भारत-चीन सीमा मसले पर चीन के विशेष प्रतिनिधि वांग यी भारत की यात्रा पर जाएंगे। ▶10पर

केरल सरकार के स्कूली हंडबुक में भूल या घडयंत्र?

सुभाष चंद्र बोस अंग्रेजों के डर से जर्मनी भागे!

तिरुवनंतपुरम, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केरल राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीआईआरटी) की कक्षा चार की किताब में लिखा गया है कि सुभाष चंद्र बोस अंग्रेजों के डर से जर्मनी भाग गए थे। केरल सरकार के इस पाठ्यपुस्तक से विवाद काफी बढ़ गया। कहा जा रहा है कि यह तथ्यात्मक गलती नहीं, बल्कि भारत के महानतम स्वतंत्रता सेनानियों में से एक के योगदान को जानबूझकर विकृत करने का षडयंत्र है। इतिहासकारों का कहना है कि सुभाष चंद्र बोस ने भारत की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, उनके बारे में यह कहना कि वे डर से भाग गए, उनकी वीरता का अपमान



है। सुभाषचंद्र बोस डर से नहीं, बल्कि अंग्रेजों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने और एक सैन्य मोर्चा बनाने के दृढ़ संकल्प के साथ भारत से बाहर गए थे। उनकी आजाद हिंद फौज ब्रिटिश शासन के लिए एक बड़ी चुनौती थी और नेताजी की यह फौज आज भी लोगों को प्रेरित करती है। हालांकि, खबर है कि एससीआईआरटी ने अपनी गलती ▶10पर

सीपी राधाकृष्णन होंगे एनडीए के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार



नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एडीए) ने अपने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सीपी राधाकृष्णन के नाम की घोषणा की है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यह ऐलान करते हुए कहा कि राधाकृष्णन को एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए चुना गया है। वर्तमान में सीपी राधाकृष्णन महाराष्ट्र के राज्यपाल के पद पर कार्यरत हैं। जेपी नड्डा ने बताया कि उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के चयन के लिए भाजपा के संसदीय बोर्ड की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सर्वसम्मति से सीपी राधाकृष्णन के नाम पर मुहर लगाई गई। तमिलनाडु के तिरुपुर में 20 अक्टूबर 1957 को जन्मे चन्द्रपुरम पोनुस्वामी ▶10पर

पुतिन ने दुनिया के सामने उजागर कर दिया ट्रंप का पाखंड

भारत ही नहीं अमेरिका भी कर रहा है रूस से व्यापार

वॉशिंगटन/मास्को, 17 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में हुई मुलाकात में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का मसला तो हल नहीं हुआ, लेकिन भारत के खिलाफ ट्रंप द्वारा फैलाए गए भ्रामक तथ्य की असलियत पुतिन ने जरूर उजागर कर दी। साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति ट्रंप के सामने पुतिन ने दुनिया को यह जानकारी दी कि युद्ध के दौरान भी अमेरिका और रूस का व्यापारिक संबंध बना रहा और युद्ध में यह व्यापार 20 प्रतिशत तक पहुंचा। यह आधिकारिक जानकारी पाकर दुनिया के देश हतप्रभ हैं, क्योंकि ट्रंप ने युद्ध के दौरान रूस से व्यापारिक संबंध बनाए रखने के कारण भारत पर टैरिफ का अतिरिक्त भारी बोझ लादने की घोषणा की थी। जबकि खुद



यूद्ध के दौरान रूस-अमेरिका का व्यापार 20% बढ़ा

अमेरिका युद्ध के दौरान भी रूस के साथ व्यापारिक संबंध बनाए था। पुतिन ने ट्रंप के सामने ही यह तथ्य रख कर उनका झूठ बेनकाब कर दिया। ट्रंप दुनिया के तमाम देशों को धमकाते रहते हैं कि वे रूस से व्यापार बंद कर दें। उनका तर्क होता है कि इससे यूक्रेन युद्ध की फंडिंग हो रही है। अब पुतिन ने ट्रंप की मौजूदगी में ही कह दिया

कि ट्रंप सरकार के कार्यकाल में अमेरिका के साथ रूस का व्यापार बढ़ा है। पुतिन ने कहा, अमेरिका में ट्रंप प्रशासन आने के बाद हमारे आपसी व्यापार में बढ़ोतरी हुई है। अभी यह आंकड़ा मोटे तौर पर है, लेकिन फिर भी व्यापार 20 प्रतिशत से ज्यादा है। हमारे पास सहयोग के लिए कई महत्वपूर्ण क्षेत्र मौजूद हैं। पुतिन ने कहा, रूस और अमेरिका के बीच व्यापार और निवेश की साझेदारी में बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। व्यापार, ऊर्जा, डिजिटल और उच्च तकनीक और अंतरिक्ष विकास जैसे क्षेत्रों में दोनों देश एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं। अमेरिका और रूस को पुराने पत्रे पलटने और फिर से सहयोग की राह पर लौटने की आवश्यकता है। विचित्र बात यह है कि ट्रंप ने बीते 4 अगस्त को भारत के रूस से तेल खरीदने पर सवाल उठाए थे। ▶10पर

केंद्रीय मंत्री दिल्ली की सीएम ने किया स्वागत

दिल्ली पहुंचे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला



नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। नासा के एक्सओम-4 अंतरिक्ष मिशन के पायलट और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अमेरिका से भारत लौट आए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और छात्रों ने उनका स्वागत किया। शुभांशु ने 18 दिन के मिशन में 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए। उनके साथ गगनशान मिशन के बैकअप अंतरिक्ष यात्री प्रशांत बालकृष्णन नायर भी लौटे। सीएम रेखा गुप्ता और मंत्री जितेंद्र सिंह ने एयरपोर्ट पर ▶10पर



महाप्रबंधक ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा झंडा फहराया

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने सुरक्षा, गति, राजस्व और यात्री सुविधाओं में रिकॉर्ड प्रदर्शन हासिल किया

हुब्लि/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्यालय हुब्लि स्थित रेल सौधा में तिरंगा झंडा फहराया। उन्होंने कहा कि दक्षिण पश्चिम रेलवे ने इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने संबोधन में, महाप्रबंधक ने कहा कि दक्षिण पश्चिम रेलवे भारतीय रेलवे के सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में से एक बना हुआ है, जहाँ जनवरी 2025 से कोई भी परिणामी रेल दुर्घटना या मामले नहीं हुए हैं, और पिछले पाँच वर्षों में भारतीय रेलवे पर हुई कुल दुर्घटनाओं का केवल 3.92 प्रतिशत ही यहाँ हुआ है। प्रमुख सुरक्षा उपायों में 16 रोड ओवर ब्रिज, 27 रोड अंडर ब्रिज, 10 फुट ओवर ब्रिज का निर्माण, 12 लेवल क्रॉसिंग को हटाना और 54 किलोमीटर सुरक्षा बाड़



लगाना, उन्नत सिग्नलिंग, हॉट एक्सल डिटेक्टर और सभी एसी कोचों में अग्नि सुरक्षा प्रणालियाँ स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि दक्षिण पश्चिम रेलवे में बुनियादी ढाँचे का विकास तेजी से हो रहा है। जनवरी 2025 से, 53 किलोमीटर रेल लाइनें चालू हो चुकी हैं और 94 ट्रेक किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है, जिससे विद्युतीकृत मार्ग बढ़कर 3,303

रूट किलोमीटर हो गया है, जो नेटवर्क का 89 प्रतिशत हिस्सा है। बेंगलूरु-जोलापेड़ई के बीच 89 प्रतिशत समयपालन, गति उन्नयन 130 किलोमीटर प्रति घंटा और ट्रेक नवीनीकरण में 1,015 करोड़ के निवेश से परिचालन दक्षता में वृद्धि हुई है। माल लदान रिकॉर्ड 29.55 मिलियन टन (जनवरी-जुलाई 2025) तक पहुँच गया, जिससे 3,056 करोड़ की आय हुई, जबकि कुल राजस्व 5,468

करोड़ तक पहुँच गया, जिसमें माल ढुलाई, यात्री और विविध आय में मजबूत वृद्धि हुई। उन्होंने यह भी बताया कि 8 नई ट्रेनों, 24 विस्तारों और 232 विशेष ट्रेनों के साथ यात्री सेवाओं का विस्तार हुआ है। कर्नाटक में अब वंदे भारत ट्रेनों की ग्यारह जोड़ी चल रही हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, 53 स्टेशनों पर कार्य प्रगति पर है, जहाँ आधुनिक सुविधाएँ, लिफ्ट, एस्केलेटर और

स्मार्ट नेविगेशन गाइड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को मजबूत किया गया है, 102 स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी रखी गई है, 94 मादक पदार्थों के मामलों का पता लगाया गया है और 466 से ज्यादा लोगों को तस्करी से बचाया गया है। बुनियादी ढाँचे के विकास में 53 किलोमीटर नई लाइनें, 94 किलोमीटर ट्रेक का विद्युतीकरण और 3,500 करोड़ से अधिक लागत की दो

बड़ी दोहरीकरण परियोजनाओं को मंजूरी शामिल है। कर्मचारी कल्याण 1,490 पदोन्नतियों, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और हुब्लि और मैसूर कार्यशा-लाओं से रिकॉर्ड उत्पादन के साथ प्राथमिकता बना हुआ है। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक के.एस. जैन, दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष, मुख्यालय और हुब्लि मंडल के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथी बैठक आयोजित



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथी टेन्योर मीटिंग का आयोजन राज-ाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर जेललडब्ल्यू की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, जेबीएन वी संयोजिका तनुजा मेहता तथा पूरी कार्यकर्ता टीम उपस्थित रही। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के साथ हुई और दो नई सदस्याओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बैठक की मुख्य वक्ता सीए सुखदेवी जैन रहीं। एक अनुभवी चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में उन्होंने व्यवसाय समृद्धि के लिए टैक्सेशन की समझ विषय पर जानकारीपूर्ण सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने आयकर और जी.एस.टी. कानून से जुड़े

जटिल प्रावधानों को सरल भाषा में समझाया, सही अनुपालन के लाभ गिनाए और पेनाल्टी से बचने के व्यावहारिक उपाय साझा किए।

साथ ही टीडीएस नियम, जीएसटी इनपुट क्रेडिट प्रबंधन और सटीक रिटर्न फाइलिंग में उनकी विशेषज्ञता ने सत्र को ज्ञान, स्पष्टता और व्यावहारिक मूल्य का उत्कृष्ट संगम बना दिया। आठ मिनट की प्रजेंटेशन में शीतल झा-वेरी ने हैप्पी बाइट्स से झावेरी कैटर तक अपने प्रेरणादायक सफर को साझा किया। उनका कहना था कि खाना सिर्फ परोसा नहीं जाता, यहाँ पलों को परोसा जाता है।

उनके लिए व्यवसाय सिर्फ लेन-देन नहीं बल्कि ऊर्जा, जुड़ाव और सेवा का संगम है। उनकी सेवाओं में शुद्ध वेजिटेरियन और

जैन फूड प्रमुख हैं। कार्यक्रम का नेतृत्व रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया और रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने किया। सभी सदस्यों ने मंच पर आकर 30-सेकंड पिच के माध्यम से अपने-अपने व्यवसाय को प्रस्तुत किया। डोर प्राइज विजेताओं में सर्वश्रेष्ठ परिधान का पुरस्कार नीकित जैन और नीतिका जैन को, जबकि सर्वश्रेष्ठ 30 सेकंड पिच का पुरस्कार जिया जैन को प्रदान किया गया। बैठक में आगामी जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी एंजिबिशन के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके बाद नेटवर्किंग सत्र में सभी सदस्यों ने मिलकर सहयोग, सशक्तिकरण और सफलता की भावना को आगे बढ़ाया।

अब आजादी का मतलब है फिटनेस



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारत के 79वें स्वतंत्रता वर्ष में कदम रखते हुए द चाइल्ड किंगडम प्री स्कूल ने इस दिन की रौनक बढ़ाने के लिए एक रंग-बिरंगे फ्लैश मॉब का आयोजन किया, जिसमें नन्हें बच्चों ने वाणीविलास रोड, बसवनगुडी स्थित चौराहे पर देश भक्ति गीतों पर नृत्य कर यह संदेश फैलाया कि फिट इंडिया ही हिट इंडिया है। इस अवसर को और खास बनाया अभिभावकों ने, जिन्होंने एक फिटराथॉन में भाग लिया। देश के

इतिहास से बच्चों को जोड़ने के लिए दांडी मार्च का प्रदर्शन भी किया गया। 3 से 5 वर्ष की आयु के सभी बच्चों ने इसमें भाग लिया और भारत के बारे में बहुत कुछ सीखा। इस साल द चाइल्ड किंगडम की स्वतंत्रता दिवस मनाने की 10वीं वर्षगांठ भी थी। भारत में जन्म लेने के अपने सौभाग्य को याद करते हुए और अपने देश का स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए स्कूल के ट्रस्टी नवलकिशोर मालू और अनुश्री मालू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और अपना संदेश दिया।

रियायती दर पर लिपिड एवं थाइरॉइड प्रोफाइल जांच शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में रियायती दर पर लिपिड एवं थाइरॉइड प्रोफाइल टेस्ट शिविर का आयोजन किया गया।



शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। लिपिड प्रोफाइल में कुल सात टेस्ट एवं थाइरॉइड प्रोफाइल में तीन टेस्ट समावेश किये गए। इस शिविर से कुल 88 सदस्य लाभान्वित हुए। सभी सदस्यों को एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं से अवगत करवाया गया। स्थानीय

लोगों ने मानव सेवा के इस उपक्रम की खूब खूब सराहना की एवं समय समय पर विशेष अवसरों पर शिविर लगाना हेतु धन्यवाद व्यक्त किया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरडिया, तेयुप अध्यक्ष जितेश

दक, मंत्री अनिमेष चौधरी, एटीडीसी संयोजक राजेश देरासरिया, भावेश बोथरा, अभिषेक पीपाड़ा एवं जितेन्द्र कोठारी का विशेष सहयोग रहा। एटीडीसी स्टाफ स्मिता, दीपा, श्यामला एवं दीपाश्री का विशेष श्रम नियोजित हुआ।

हम बिना किसी हिचकिचाहट के अवैध रूप से निर्मित इमारतों को ध्वस्त कर देंगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री भी हैं, ने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन किए बिना अवैध रूप से निर्मित इमारतों की मरम्मत की जानी चाहिए। अन्यथा, उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के ध्वस्त कर दिया जाएगा। नगरथापेठे में निन्ना अग्नि त्रासदी स्थल का दौरा और निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए,



उन्होंने कहा कि बेंगलूरु शहर में 70 प्रतिशत इमारतें अवैध हैं। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि न केवल पुराने लेआउट, बल्कि नए बीडीए लेआउट भी एक और चार मंजिलों वाले बनाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है

कि बिना कब्जे के कागजात वाले लोगों को पानी और बिजली के कनेक्शन नहीं दिए जाने चाहिए। तदनुसार, 4 लाख कनेक्शन काट दिए गए हैं। 30-40 फीट के भूखंड पर दो मंजिलों के निर्माण की छूट देने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट के अन्य मंत्री किस तरह की राय व्यक्त करते हैं उसे देखा जाएगा और फिर मुख्यमंत्री और मैं निर्णय लेंगे।



स्वतंत्रता दिवस के मौके पर छात्रों में पाठ्य सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटका बेंगलूरु की युवा शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन ने 79वां स्वतंत्रता दिवस अपने 63वें मानव सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत कर्नाटका पब्लिक स्कूल शेषाद्रीपुरम में देशभक्ति की भावना और सेवा कार्य के साथ मनाया। ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने प्रायोजक परिवार एवं पधारें हुए सभी साथियों का स्वागत किया।



पाठ्य सामग्री वितरित की गई। इस मानव सेवा के सहयोगी देवी चंद हिंगड़ की पुण्य स्मृति में पानी बाई, सुरेश कुमार, सुनील कुमार हिंगड़ परिवार विजयनगर मेवाड़ में काकरोद निवासी रहे। युवा मंत्री मनीष टुकलिया ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन करते हुए प्रायोजक

परिवार एवं संगठन के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद आभार ज्ञापित किया।

मानव सेवा प्रभारी दिलीप हिरण एवं आशीष कोठारी का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर निवर्तमान युवा अध्यक्ष राकेश

संचेती, युवा उपाध्यक्ष गौतम खाब्बा, सह मंत्री महावीर ओस्तवाल, राहुल कावड़िया, संगठन मंत्री संधीप चौधरी, प्रचार प्रसार मंत्री नरेश कोठारी, खेल प्रभारी अजीत संचेती, किशोर मंडल प्रभारी प्रवीण कक्कड़ एवं युवा साथी मौजूद रहे।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन प्रसंग पर राजराजेश्वरी नगर के कल्याण मंडप में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 100 से भी ज्यादा बच्चे कृष्ण राधा की वेशभूषा में सज संवरकर पहुंचे। जिन्होंने सभी कृष्ण भक्तों का ध्यान खींचा। विजेता प्रतिभागी युवराज एवं हिमालय मुणोत थे।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

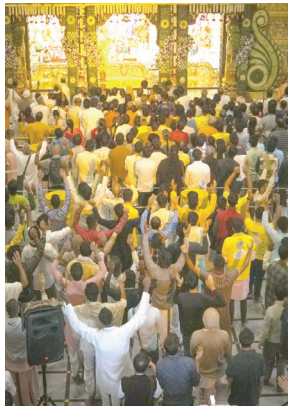
शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु द्वारा शनिवार को जेपी नगर स्थित सूर्य मंदिर पर योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण की जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी। भगवान कृष्ण की तस्वीर के समक्ष समाज अध्यक्ष सुनील शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर पूजा-अर्चना की। वहीं मंदिर परिसर में दही हांडी कार्यक्रम रखा गया जिसमें युवाओं ने पानी की बोछरों की बाधा के बीच पिरामिड बनाकर ऊपर चढ़कर भगवान कृष्ण के जयकारों के साथ दही हांडी फोड़कर कृष्ण जन्मोत्सव मनाया। महिलाओं ने मंगलगीत गाए। इस अवसर पर सुनील शर्मा, जे. बाबूलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, अनिल शर्मा, किशनलाल शर्मा, हुकमचंद शर्मा, नरेंद्र शर्मा, अरुण शर्मा, विकास शर्मा, दीपक शर्मा, जेटमल शर्मा, भूपेश करश्यप सहित अनेक बालक, महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

तहराया जो तिरंगा हमारा, वह चली संग में काव्य धारा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच बेंगलूरु की देशभक्ति कविता पाठ स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में व्हाट्सएप पर ऑडियो द्वारा संपन्न हुई। सर्वप्रथम आभासी झंडोतोलन हुआ। फिर राष्ट्रगान जन गण मन 52 सेकंड में गाया गया। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम भी 1 मिनट 9 सेकंड में गाया गया। पश्चात मशाल जलाकर शहीदों की याद में ऐ मेरे वतन के लोगों गाया गया। उपरोक्त तीनों प्रस्तुति वीणा मेदनी ने दी। तत्पश्चात संस्था का बैनर एवं सरस्वती माँ की तस्वीर लगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर शशि मंगल ने किया तो बतौर मुख्य अतिथि शोभा देशपांडे रहीं। निर्मला कर्ण की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तत्पश्चात देशभक्ति काव्य धारा फूट पड़ी। कविता पाठ में भावना तोमर, सुलेखा कुलश्रेष्ठ, पुष्पा पांडे, ज्योति तिवारी, भगवती सक्सेना गौड़, गीता चौबे गूँज, त्रिशला मिश्रा, रेखा नेमा, अंजनीकुमार तिवारी सुधाकर, मधु मनमौजी, रुपा रश्मि दीप, देवानंद साहा आनंद अमरपुरी, डॉक्टर शशि मंगल, डॉक्टर गीता सिन्हा गीतांजलि, एडवोकेट अंजू भारती, प्रोफेसर लता चौहान, निर्मला कर्ण, ऋतु अग्रवाल, प्रोफेसर वत्सला, शोभा देशपांडे, सीमा गर्ग मंजरी, बृजेंद्र मिश्र ज्ञासु, सुधीर सिंह सुधाकर, वरुण दीक्षित, शिवालिका सिंह कुशवाहा, सुबेदार रामस्वरूप कुशवाहा, अन्रपूर्णा मालवीय सुभाषिनी, सुनीता लाहोटी, वीणा मेदनी, शशि रंजन, रतिंदर कौर इत्यादि ने भाग लिया।



भगवान कृष्ण के दिव्य आगमन श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इस्कॉन बेंगलूरु ने शुक्रवार और शनिवार को हरे कृष्ण हिल, वैकुंठ हिल और केटीपीओ, व्हाइटफील्ड में भगवान कृष्ण के दिव्य आगमन - श्री कृष्ण जन्माष्टमी - का उत्सव मनाया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में तीनों स्थानों पर भगवान कृष्ण के लिए अभिषेक, आरती, छपन भोग, पुष्पांजलि सेवा, पल्लकी उत्सव और झूलन सेवा शामिल थी। देवताओं को 108 व्यंजनों का विशेष भोग भी लगाया गया। हरे कृष्ण हिल स्थित इस्कॉन श्री राधा कृष्ण मंदिर और वैकुंठ हिल

स्थित इस्कॉन श्री राजाधिराज गो-विंदा मंदिर को आकर्षक फूलों, रोशनियों और तोरणों से सजाया गया, जिससे एक जीवंत वातावरण बना।

इस अवसर पर देवताओं को नए वस्त्रों, आभूषणों और सुगंधित फूलों की मालाओं से सुसज्जित किया गया।

जन्माष्टमी उत्सव की शुरुआत एक भव्य अभिषेक - दूध, दही, शहद और ताजे फलों के रस जैसी शुभ वस्तुओं से स्नान के साथ हुई। इसके बाद आरती की गई और विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों का भोग लगाया गया।

16 अगस्त की मध्यरात्रि में भगवान कृष्ण के स्वागत के लिए एक भव्य अभिषेक किया गया। भक्तों ने भगवान कृष्ण की प्रसन्नता के लिए पुष्पांजलि, माखन मिश्री और अन्य सेवाएं अर्पित कीं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा, राज्यसभा सांसद एवं अभिनेता जगेश और विधायक मुनिराजू जैसे प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने जन्माष्टमी उत्सव में भाग लिया।

अभिनेत्री श्रुति, अभिनेता ध्रुव सरजा और आईआईएससी प्रोफेसर डॉ. माधवी लता ने भगवान कृष्ण के दर्शन किए और

उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस्कॉन बेंगलूरु ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी समारोह के एक भाग के रूप में केटीपीओ, व्हाइटफील्ड में आनंद महोत्सव का भी आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में बच्चों और कलाकारों द्वारा नृत्य, संगीत और श्लोक पाठ जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। सिड श्रीराम और साधो बैंड के संगीतमय प्रदर्शनों ने आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के बाद सभी को भव्य कृष्ण प्रसादम परोसा गया। इस्कॉन बेंगलूरु के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने कहा

हमें जन्माष्टमी उत्सव में लाखों भक्तों का स्वागत करते हुए खुशी हुई। दुनिया भर के भक्तों ने हमारे डिजिटल समारोह, स्वागतम कृष्ण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। हम अपने सभी दानदाताओं, शुभचिंतकों, स्वयंसेवकों, प्रशासन और उन सभी का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने भीड़ के सुचारु संचालन और कुशल प्रबंधन में योगदान दिया।

हम श्री राधा कृष्णचंद्र से प्रार्थना करते हैं कि वे अपनी कृपा बरसाएं और सभी को अच्छे स्वास्थ्य, शांति, समृद्धि और भक्ति का आशीर्वाद दें।

सड़क पर गायों का गला काटकर उत्पात मचाने वाले तीन दरिंदे गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नेलमंगला ग्रामीण पुलिस ने तालुका के अरलासांद्रा गांव के पुल मार्ग पर मवेशियों का गला रेतकर उत्पात मचाने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में इमरान (30), सैयद नवाज (35) और एक अन्य शामिल हैं। यह मामला काफी चर्चा का विषय रहा था और सदन में भी इस पर चर्चा हुई थी। नेलमंगला ग्रामीण पुलिस,



जिसने इस घटना के संबंध में मामला अपने हाथ में लिया था, ने अब आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी हर दिन विजयपुरा से बेंगलूरु के बूचड़खाने में मवेशियों को ले जाते थे।

उन्होंने सड़क पर हल्कीकर नस्ल के दो मवेशियों का गला यह कहकर काट दिया था कि उनका मांस खाने लायक नहीं है।

इस मामले में, पुलिस के एक राजमार्ग गश्ती वाहन के चालक पर जानवरों को बूचड़खाने ले जाने में शामिल होने का संदेह है। जानवरों के अवैध परिवहन का भी संदेह है। विभिन्न संगठनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सुषमा चांदगोटिया अध्यक्ष व निशा अग्रवाल सचिव नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कर्नाटक मारवाड़ी समाज द्वारा रानी सरला देवी स्कूल जयनगर में ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात अनंता सभागार जयनगर में महिला विंग 2025-27 की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कर्नाटक मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष प्रवीण तुलस्यान ने अपने स्वागत भाषण से की। संचालन समाज के सचिव मोहित तुलस्यान ने किया। इसके पश्चात सभी महिला विंग वर्किंग कमेटी का गुलदस्ता और बैज देकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। अध्यक्ष प्रवीण तुलस्यान ने 14 सदस्यों की महिला विंग कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सर्वसम्मति से सुषमा चांदगोटिया को अध्यक्ष, वंदना तुलस्यान को उपाध्यक्ष, निशा अग्रवाल सचिव तथा नेहा बैरोल्या को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया। महिला विंग की टीम में कांताबांका,



मेधा अग्रवाल, रश्मि तुलस्यान, सुनीता नठानी, पूनम अग्रवाल, मीनू सिंघानिया, स्वाति बलोडिया, शीतल जंदल, किरण गिंदोरिया और शांलू तुलस्यान को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। समाज के पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं तथा समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित किया।

जगत में ऐसा कोई कार्य नहीं जो दृढ़ संकल्प से पूर्ण न होता हो: साध्वी



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में तप महोत्सव प्रसंग पर आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा ने कहा कि इस जगत में ऐसा कोई कार्य नहीं जो दृढ़ संकल्प से पूर्ण न होता हो। आज युवा पीढ़ी कुव्यसनों का शिकार होती जा रही है। धर्म पर श्रद्धा कम पड़ती जा रही है। ऐसे में युवा तपस्वी का तप आशा और उम्मीद का संचार करता है। वायु से भी ज्यादा शक्ति युवा में होती है। युवा पीढ़ी ने तप का कीर्तिमान रच कर चातुर्मास की शोभा बढ़ाई है। महावीर भवन में आयोजित समारोह में सरोज देवी फूलफगर ने अलसूर में पहली बार 40 उपवास का दीर्घ तप संपन्न किया और उन्हीं के सुपुत्र प्रफुल्ल फूलफगर ने 31 उपवास कर मासखमन संपन्न किया। अलसूर और बेंगलूरु के इतिहास में यह कीर्तिमान प्रसंग जब मां और बेटे ने एक साथ दीर्घ तप के प्रत्याख्यान लिए हो। इस अवसर पर अपने प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि तप कर्मों की निर्जरा का मार्ग है। तप तन, मन की शक्ति अनुसार स्वर्धा भावना से हट कर करना चाहिए। तप में सम्मान अथवा परलोक के सुख की कामना नहीं रखनी चाहिए। तप संसार में समृद्धि की कामना से अथवा शरीर सौंदर्य की भावना से भी नहीं करना चाहिए। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। दोनों तपस्वियों का संघ की ओर से रजत शील्ड, अभिनंदन पत्र, शॉल और माला से अभिनंदन किया गया। 125 जनों ने तेले और 5 ने आठ उपवास का संकल्प लिया। इस अवसर पर साध्वी निपुणप्रभाजी एवं रिद्धिप्रभा जी ने गीत प्रस्तुत किया। कशीश लोढ़ा, रिद्धि कांकरिया, पुष्पा बाई, नवनीत मुथा, राखी गादिया, प्रियंका सिंघवी, लतिका रुणवाल ने अपनी अनुमोदना प्रस्तुत की। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आगामी पर्वधिराज व्यवस्था की जानकारी दी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

गुरुदेव की प्रेरणा से संग्रहित पुस्तका का विमोचन कर्तव्यों का पालन करना ही साधना है: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि मनुष्य जब तक जगत में रहे तब तक उसके मन में अभिमान नहीं आना चाहिए। ऐसे ही आज हम भगवान श्रीकृष्ण जैसे एक महापुरुष और उनके गुणों को याद कर रहे हैं। भगवान श्रीकृष्णा गुणवान थे और गुण देखते थे। भगवान श्री कृष्ण का विलक्षण जन्म था और विलक्षण ही मृत्यु हुई। उनका जन्म जेल में हुआ जहां कोई थाली बजाने वाला भी नहीं था। एक दम शांत माहौल में हुआ जहां कोई नहीं था और उनकी मृत्यु भी वैसे ही हुई। जन्म और मरण के बीच जो उन्होंने किया वह सबसे महत्वपूर्ण है। जन्म और मरण तो लगा रहता है, लेकिन इसके बीच आप क्या करते हैं वह याद करने वाला होता है। जीवन में क्या अच्छा किया और क्या बुरा किया वही मनुष्य का इतिहास है।

आठ कर्म काटना ही अष्टमी होता है। इसी अष्टमी पर कृष्ण जन्माष्टमी मनाया जाता है। जन्म जेल में हुआ, लेकिन मोक्ष नंद को मिला। मां बाप रोते रह गए, लेकिन मोक्ष नंद को मिला। भाग्य जिसको देना चाहती है उसको दे देती है। भारतीय संस्कृति के तीन महापुरुषों को हम याद करते हैं,



जिसमें राम, कृष्ण और महावीर हैं। राम के साथ मर्यादा जुड़ा है। वे लोगों को मर्यादा में रहना सीखाते हैं। कृष्ण कर्म योगी हैं। उनका कहना है कि काम करते रहो। फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए। अच्छा करोगे तो निश्चित ही अच्छा ही मिलेगा।

तप, तपस्या करने वालों को अच्छा ही फल मिलता है। महा-पुरुषों की दिव्यता ही अलग होती है। महापुरुष जो होते हैं वह एक दुसरे के गुणों को ग्रहण करते हैं। उनके आदर्श ही अलग होता है। आज के समय में लोग थोड़ा भी तपस्या करते हैं तो उनका भाव ही अलग हो जाता है। उनके हाव भाव ही बदल जाते हैं। यही कारण है कि उनकी तपस्या सफल नहीं होती है। जो आज महापुरुष हैं उनमें सीखने की लालसा थी। अगर जीवन में कुछ पाना है तो पहले सीखना पड़ता है। आज लोग रोटी पाते हैं और उसका अनादर करते हैं। लेकिन याद रहे अन्न का अनादर नहीं करना चाहिए। एक दिन अगर पेट में

अन्न नहीं गया तो तारा याद आ जाएगा। ऐसा जीवन, ऐसी प्राण बेकार नहीं करनी चाहिए। एक बार गया तो वापस लौट कर नहीं आएगा। गुरुदेव ने कहा कि जहां पर हो जिस स्थिति में भी हो अपना कर्तव्य याद रखो। कर्तव्य सीखना ही साधना है। यही श्री कृष्ण ने लोगों को सीखाया है। भगवान श्रुकृष्ण सभी को यही प्रेरणा देते हैं कि सभी को अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं भागना चाहिए। जब काम पड़ा तो वह हर माहौल में ढल गए। श्री कृष्ण से मनुष्य को अपने कर्तव्यों के बारे में प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने हर तरीके से अपने कर्तव्यों को निभाया। भगवान श्री कृष्ण बहुत ही विनयवान थे। उनके जीवन से मनुष्य को बहुत कुछ सीखना चाहिए। मनुष्य को भगवान कृष्ण के जीवन से विनय, दोस्ती, बड़ों का आदर और कर्तव्य निभाने के बारे में तो जरूर सीखना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही मनुष्य अपने जीवन में बदलाव ला सकता है। भगवान श्री कृष्ण ने अपने गरीब

दोस्त सुदामा को भी कभी नहीं छोड़ा। बचपन के मित्र को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। मित्रता में कभी गरीबी अमीरी नहीं आती है। मित्रता क्या होती है और कैसी होती है यह भगवान श्री कृष्ण से बेहतर कोई नहीं बता सकता है। इसी बीच पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी के संस्मरण एवं प्रेरणा से संग्रहित यादों का उपवन नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। गुरुदेव ने कहा कि पाया जितना उतना दिया नहीं, लेकिन जो पाया वह सब कुछ इस पुस्तक में शामिल हैं। इस पुस्तक में बहुत सारे महापुरुषों, तपस्वी, संतों और महान श्रावकों का उल्लेख है। इसको पढ़ कर अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। शांतिलाल बोहरा ने पुस्तक का परिचय दिया। विमोचनकर्ता बाबुलाल रांका और उत्तरचंद रातडिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेवतमंल नाहर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में गौतमराज अबानी, राजेश कोठारी वेल्हूर, पदमराज मेहता, शांतिलाल भंडारी, सुनील लोढ़ा, पुष्पराज चौरडिया, पन्नालाल कोठारी, गौतमचंद लुंकड़, महावीर धोका, शांतिलाल बांठिया, ताराचंद श्रीश्रीमाल और पारसमनी रून्वाल मौजूद थे। मंगलचंद मुणोत गौतम प्रसादी के लाभार्थी थे। कार्यक्रम के संयोजक नेमीचंद लुंडक ने सभी का स्वागत किया। संचालन मनोहर लाल लुंकड़ ने किया।

अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा की तैयारियां जोरो पर



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्व पर्येषण महोत्सव एवं परमात्मा प्रतिष्ठा का अवसर सितंबर 5 से 7 तक बड़े ही धूमधाम से संपन्न होगा। मलेशिया के कुआलालुम्पर शहर में तिष्ठपति के सिद्धेश्वर ब्रम्हर्षि गुरु का सानिध्य एवं शासनरत्न मनोज हरण की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन होगा। इस पावन पर्व के साक्षी बनने भारत से 450 सदस्यों की हवाई यात्रा जैन मित्र फाउंडेशन द्वारा जैन दोस्ती फेडरेशन के सहयोग से होगा। जिसकी तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी है। फाउंडेशन के संस्थापक पीयूष सोलंकी एवं खेतन सुराना के साथ फेडरेशन के मिशेश सुराना एवं महेंद्र कटारिया ने बताया के यात्रा के दौरान सिंगापुर, थाईलैंड एवं मलेशिया देशों का दौरा होगा, जो धार्मिक के साथ पर्यटन मिश्रित होगी। मनोज हरण के मार्गदर्शन में यह करीब 18वर्षी अंतरराष्ट्रीय यात्रा होगी।

प्रसन्न दुगड़ श्री सुसवाणी माता भक्त मंडल के नूतन अध्यक्ष नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सुसवाणी माता भक्त मंडल बेंगलूरु की चतुर्थ वार्षिक आम सभा स्थानीय श्री गोडवाड भवन में आयोजित हुई। अध्यक्ष जितेंद्र दुगड़ ने सभी ट्रस्टियों का स्वागत करते हुए विचार व्यक्त किए। सचिव नवीन सुराणा ने विगत वर्ष में आयोजित कार्यक्रमों एवं विगत बैठक की कार्यवाही को प्रस्तुत किया। तदोपरंत कोषाध्यक्ष प्रसन्न दुगड़ ने आय व्यय का लेखा जोखा सदन में प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। सर्वसम्मति से आने वाले वर्ष के लिए अशोक सुराणा को अंकेक्षक नियुक्त किया गया। आने वाले दो वर्षों के लिए नये अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। राजेन्द्र सुराणा ने इस हेतु अपने विचार रखे। काफी विचार विमर्श



के बाद सर्वसम्मति से प्रसन्न दुगड़ को आगामी दो वर्षों के लिये अध्यक्ष मनोनीत किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष जितेंद्र दुगड़ ने नये अध्यक्ष का माला पहनाकर स्वागत किया। मनोज दुगड़, ओम दुगड़, आलोक सुराणा, कमल दगड़, लक्ष्मिपत दुगड़, पंकज सुराणा, विकास दुगड़ तथा शरद सुराणा ने नये अध्यक्ष को सफल कार्यकाल के लिये शुभकामनाएं दी। अंत में विपुल दुगड़ ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

आत्मार्गी साधक वह होता है जो अपनी आत्मा की ओर उन्मुख होकर साधना करता है: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने कहा कि जो भावपूर्वक प्रभु की वाणी का श्रवण करता है, उसका जीवन आनंदमय बन जाता है। मेरी भावना के सातवें पद का संदेश हमें यह स्मरण कराता है कि जैसा बीज बोयेंगे, वैसा ही फल मिलेगा। जिनशासन सबको समान रूप से मिला है, जिनवाणी भी सभी को समान रूप से उपलब्ध है, किन्तु परिणाम भिन्न-भिन्न होते हैं। कोई संत बनता है, कोई श्रावक बन जाता है, तो कोई धर्म की ओर एक कदम भी नहीं बढ़ा पाता। इसका कारण केवल और केवल हमारे कर्म हैं। हमारे संचित और उदय में आने वाले कर्म ही हमारे जीवन को आकार देते हैं। आत्मार्गी साधक वह होता है जो अपनी आत्मा की ओर उन्मुख होकर साधना करता है। उसकी दृष्टि बाहर नहीं, भीतर की ओर होती है। आत्मार्गी साधक जिनशासन का सच्चा सिपाही होता है जिसमें विनम्रता और सहनशीलता का भाव होता है। आत्मसाधक अपने पुरुषार्थ के बल से ही आत्मसिद्धि की ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकता है। सच्चे साधक का लक्ष्य धन नहीं, धर्म होता है। धन जीव को बंधन और नरक की ओर ले जाता है, जबकि धर्म ही मोक्ष की ओर अग्रसर करता है।

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने श्रीकृष्ण के जीवन पर कहा कि हमें श्रीकृष्ण के जीवन से विनय का गुण अपने जीवन में अंगीकार करना चाहिए। करुणा निदान श्रीकृष्ण का जीवन विनय की मिसाल है। वह सर्वशक्तिमान होने के बावजूद कभी अहंकारग्रस्त नहीं हुए और हमेशा विनयवान रहे। जो जीवन में विनय धारण करता है उसका यह भव, परभव सुधर जाता है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने हमेशा सत्य और विनय की राह पर चलने की प्रेरणा दी और अपने मित्र से लेकर



गुरु तक सम्मान किया। अहंकार उनके जीवन को छू भी नहीं पाया। जीवन में कोई कमी नहीं होने पर भी उन्होंने हमेशा सबके प्रति करुणा, दया व स्नेह के भाव रखे। ऐसे महान अवतारी पुरुष की

दुनिया आज भी पूजा करती है। साध्वीजी ने श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र की चर्चा करते हुए कहा कि प्रेम व भक्ति में गहरा सम्बन्ध होता है। प्रेम हमेशा निस्वार्थ भाव से होना चाहिए। उनका जीवन

बताता है कि जो कर्म में श्रुवीर होते हैं वह धर्म में भी श्रुवीर होते हैं। श्रीकृष्ण ने अपने कर्म से हमारी आने वाली तीर्थंकर चौबीसी के लिए तीर्थंकर गौर का उपार्जन किया। मातृभक्त होने के

साथ श्रीकृष्ण ने मित्रता की भी मिसाल कायम की।

द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण ने निर्धन सुदामा से जिस तरह मित्रता निभाई वह पूरी दुनिया के लिए मिसाल बन गई। उन्होंने यह बता दिया कि मित्रता के मध्य गरीब-अमीर, छोटा-बड़ा जैसा भेद नहीं हो सकते।

गोपालक के रूप में गायों की सेवा करके जीवदया की भी मिसाल कायम की। इस धरा पर दो महान योगी हुए एक भगवान महावीर व एक श्रीकृष्ण। इनमें महावीर धर्म योगी तो कृष्ण कर्म योगी थे। कृष्ण ने ही संदेश दिया कि कर्म करो फल की इच्छा मत करो। साध्वी शीतलगुणा ने कहा

कि प्रथम अपशब्द पर ही सर काटने की शक्ति होने के बाद भी 99 अपशब्द सुनने की सहनशीलता है। सुदर्शन जैसा दिव्य अस्त्र होने के बाद भी हाथ में हमेशा मुस्ली है। द्वारिका का परम वैभव होने के बाद भी सुदामा सा मित्र है। मृत्यु के फन पर भी नृत्य है। सर्वशक्तिमान होने के बाद भी साध्वी है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक का लाभ बाबुलाल, दे-वराज परमार परिवार ने लिया। बेंगलूरु से पधारे राजेश कुमार जैन, तुलसी जैन का संघ की ओर से स्वागत बहुमान किया गया।

अब कठुआ में फटा बादल, 7 मरे, दर्जनों लापता अथक मेहनत से सुरक्षाबल कर रहे लोगों की मदद



जम्मू, 17 अगस्त (व्यूरो)। जम्मू कश्मीर में कुदरत का कहर जारी है। अब कठुआ के तीन स्थानों पर बादल फटने से भारी तबाही हुई है। पांच बच्चों समेत सात लोगों के मरने और दर्जनों के लापता होने का समाचार है। रेलवे ट्रैक और हाईवे को भी नुकसान हुआ है। जिस कारण जम्मू कश्मीर का शेष देश से संपर्क कट गया है। बीसियों घर तबाह हो गए हैं। मौसम विभाग ने अभी 25 अगस्त तक ऐसे हादसों के होने की चेतावनी दी है।

बादल फटने जैसी घटना से कठुआ में कोहराम की स्थिति पहली बार बनी है। अपने संपर्कों

से जो बातचीत हुई है, उसके मुताबिक जम्मू-पठानकोट नेशनल हाईवे के उपरी कंडी क्षेत्र में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। बादल फटने का पहला इम्पैक्ट दिलवां, खरोट और जोड़ पर पड़ा है। सात लोगों की मौत की पुष्टि की जा रही है जबकि कई घायल हैं। जंगलोट से सटे केंद्रीय विद्यालय कठुआ और सैन्य क्षेत्र में नुकसान की सूचना है।

बताया जा रहा है बाढ़ का कुछ पानी कंडी इलाके के बीच से जाने वाली नहर में चले जाने से कठुआ शहर को बड़ा नुकसान होने से टल गया। इसके बावजूद कठुआ के वार्ड 7 और खासकर आईटीआई सड़क जलमग्न हो

गए। कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाड़ियां जहां पार्क थीं सुबह उससे दूर जाकर मिलीं। ओल्ड सांबा कठुआ मार्ग भी कई फुट पानी में घंटों तक रहा। नदी नालों में बाढ़ का असर निचले मैदानी इलाकों पर भी पड़ा। सुरक्षित माने जाने वाले कुछ इलाकों में बाढ़ के हालात बन गए।

जबकि रेलवे अधिकारियों ने रविवार को लगातार भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के कारण उधमपुर और पठानकोट सेक्शन के बीच ट्रेन सेवाएं अगली सूचना तक स्थगित कर दीं। एक अधिकारी ने बताया कि लगातार भारी बारिश के कारण उधमपुर और पठानकोट के बीच अगली

सूचना तक सेवाएं स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह निलंबन पिछले 10 घंटों से हो रही भारी और लगातार बारिश के कारण है, जिससे पटरियां परिचालन के लिए असुरक्षित हो गई हैं। अधिकारी ने कहा कि यह कदम सभी यात्रियों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के घाटी इलाके में एक विनाशकारी बादल फटने से कथित तौर पर 7 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि को हुई इस प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र के

एक सुदूर गांव को अलग-थलग कर दिया है, जिससे बचाव और राहत कार्यों की चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

कठुआ में बादल फटने से तीन जगहें प्रभावित हुईं, जिनमें सबसे ज्यादा असर राजबाग के जोड़ घाटी इलाके में महसूस किया गया। रात भर हुई भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ, जिससे जमीन और संपत्ति को काफी नुकसान हुआ।

उज नदी और आस-पास के जलाशयों के बढ़ते जल स्तर ने चिंता बढ़ा दी है, जिससे स्थानीय अधिकारियों ने सुरक्षा सलाह जारी कर निवासियों से नदियों

और नालों से दूर रहने का आग्रह किया है।

सूत्रों के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र से बजरी और कीचड़ भरा पानी जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया, जिससे यातायात बाधित हुआ।

पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) सहित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्यों में सहायता और फंसे हुए निवासियों को राहत प्रदान करने के लिए तैनात किए गए हैं। जिला प्रशासन स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है, बागड़, चांगडा और दिलवान-हुतली जैसे इलाकों में भूस्खलन की और भी खबरें हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला : कोर्ट के हर आदेश का उल्लंघन करना अवमानना नहीं

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक आर्थरजनक फैसले में कहा है कि कोर्ट द्वारा जारी किए गए हर निर्देश का उल्लंघन होना अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आधार नहीं बन सकता। यह फैसला न्यायमूर्ति अनिल क्षत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन की पीठ ने हाल ही 12 अगस्त को सुनाया है। यह मामला भारतीय वन सेवा के अधिकारी संजीव चतुर्वेदी द्वारा दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है। उन्होंने इंटरलिंग्स ब्यूरो के केंद्रीय जन सूचना अधिकारी के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें कोर्ट के आदेशों की बार-बार जानबूझकर अवहेलना करने का आरोप लगाया गया था। कोर्ट ने जुलाई 2023 और अगस्त 2024 में खंड को संजीव चतुर्वेदी से संबंधित गोपनीय रिपोर्ट समेत प्रासंगिक रिकॉर्ड पेश करने का निर्देश दिया था।

याचिका के अनुसार, आईबी के सीपीआईओ ने इन रिकॉर्ड्स को कोर्ट में पेश नहीं किया था, जिसके कारण चतुर्वेदी ने अवमानना की कार्यवाही की मांग की थी। यह विवाद तब शुरू हुआ था जब मई 2014 में पर्यावरण मंत्रालय ने आईबी से संजीव चतुर्वेदी की जानकारी

खतरे के आकलन पर एक रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन बाद में आरटीआई अधिनियम के तहत यह रिपोर्ट उन्हें देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि किसी अधिकारी के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती, क्योंकि याचिकाकर्ता ने अवमानना करने वाले का नाम नहीं दिया है।

वहीं, वरिष्ठ वकीलों ने तर्क दिया कि जब आईबी की वेबसाइट और सीपीआईओ का नाम सार्वजनिक डोमेन में नहीं है, तो नाम कैसे दिया जा सकता था। यह भी उल्लेखनीय है कि मार्च 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट की एक एकल पीठ ने संजीव चतुर्वेदी की ही याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो के सीपीआईओ को बिना नाम लिए अवमानना नोटिस जारी किया था।

इधर, विधि विशेषज्ञों का कहना है कि न्यायालय की अवमानना अधिनियम 1971 की धारा 2 ब के अंतर्गत न्यायालय के किसी भी निर्देश का जानबूझकर किया गया उल्लंघन न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है। इसमें किसी भी तरह का कोई भेदभाव नहीं किया गया है।

अग्रसेन बैंक की 10वीं शाखा कुकटपल्ली में उद्घाटित

बैंक का विस्तार जारी रहेगा : प्रमोद केडिया

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने अपनी 10वीं शाखा का उद्घाटन कुकटपल्ली के केपीबीएच कॉलोनी स्थित मलिक प्लाजा में किया। बैंक की इस नई शाखा का उद्घाटन कुकटपल्ली के विधायक माधवराज कृष्णा राव (बीआरएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

इस अवसर पर, पिप्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष शरद बी. पिप्ती ने स्टॉन्ग रूम और सेफ डिजिटल लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया।

इसके साथ ही, कोठारी ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के संस्थापक और अध्यक्ष स्वरूपचंद कोठारी और तिबेवाला इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष ज्योति प्रकाश तिबेवाला ने अन्य बैंकिंग सेवाओं का उद्घाटन किया, ताकि ग्राहक उनका लाभ उठा सकें।

बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने



पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि बैंक की 11वीं शाखा सितंबर 2025 में माधुपुर में खोली जाएगी। इसके अलावा, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के तहत, बैंक वित्तीय रूप से सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बैंक (एफएसडब्ल्यूएम) श्रेणी में एक और शाखा खोलने की योजना बना रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक भविष्य में पूरे तेलंगाना में अपनी शाखाओं का विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिसके लिए नियामक प्राधिकरणों से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किए जाएंगे।

अध्यक्ष ने सभी शेयरधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों से आग्रह किया कि वे कुकटपल्ली की इस नई शाखा में उपलब्ध

सभी आधुनिक बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाएँ। यह शाखा एक अत्याधुनिक एटीएम सेंटर से भी सुसज्जित है।

अग्रसेन बैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने निर्बाध ग्राहक सेवा और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि बैंक का मज़बूत नेतृत्व और समर्पित कर्मचारी अपने सदस्यों के बीच विश्वास को लगातार बढ़ा रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में बैंक के कई निदेशक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें— सीए नवीन कुमार अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), सुरेश कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), नारायण दत्त (अध्यक्ष इंच),

नरसिंग दास, गोपाल चंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, अंजु केडिया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए पंकज कुमार अग्रवाल, और महावीर पिप्ती (सदस्य बीओएम) आदि शामिल हैं।

अन्य गणमान्य अतिथियों में शेखर यादव, दीपक अग्रवाल, सूर्यकांत अडेप्पा, पूर्व कॉर्पोरेट बाबू राव, पंकज अग्रवाल, हजारी लाल केडिया, पूनमल अग्रवाल, मेघराज अग्रवाल और प्रदीप अग्रवाल भी उपस्थित थे। बैंक के महाप्रबंधक/सीईओ सीवी राव, उप-महाप्रबंधक आनंद अग्रवाल, सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक और अन्य कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तेयूप द्वारा भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप), हैदराबाद ने 17 अगस्त, 2025 को एक दिवसीय भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यशाला युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी ठाणा-4 के सान्निध्य में जैन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में संपन्न हुई।

कार्यशाला का प्रारंभ साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी के नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ। तेयुप की भिक्षु प्रज्ञा मंडली ने विजय जीत का गीत प्रस्तुत किया। परामर्शक प्रवीण श्यामसुखा ने 'शावक निष्ठा पत्रिका' का वाचन किया और अध्यक्ष राहुल गोलछा ने सभी का स्वागत किया।

अपने मंगल उद्घोषण में साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने आचार्य भिक्षु के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु के दो प्रभावशाली रूप थे—विचार और चारित्र। वे शुद्धि के प्रवर्तक और संघ



व्यवस्थापक थे, और उनका मानना था कि आचारवान व्यक्तियों से ही संबंध रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु का संगठन शक्ति के लिए नहीं, बल्कि आचार की शुद्धि के लिए था, और उनकी दृष्टि में आचार भक्ति पर आधारित संगठन का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि आचार्य भिक्षु ने दान, दया और अहिंसा जैसे अनेक सिद्धांत दिए, जो आज भी मार्गदर्शकों के लिए प्रकाश स्तंभ के समान हैं।

साध्वी मेरुप्रभा जी, मयंकप्रभा जी और दक्षप्रभा जी ने आचार्य भिक्षु के सम्मान में एक सुंदर गीत

प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के दौरान, आचार्य भिक्षु के जीवन से जुड़े प्रश्नोत्तरों का एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 60 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। इस सत्र में उस्ताहपूर्वक उत्तर देने वाले हुबली के वीरन जीरावाला का अभिनंदन किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम श्रीधर जी घोषित किए जाएंगे।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक निर्मल बैंगनी और प्रदीप दुधोडिया ने किया। तेयुप मंत्री नीरज सुराणा ने सभी संयोजकों और कार्यशाला में भाग लेने वालों का आभार व्यक्त किया।

स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करे: मांडविया

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइक्लिंग के 36वें संस्करण में सभी नागरिकों से सक्रिय जीवनशैली के लिए फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने का आह्वान किया।

डा. मांडविया ने आज गुजरात के पालीताणा स्थित अपने गृह ग्राम हनोल से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल में भाग लेकर सभी नागरिकों से एक सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। संडे ऑन साइकिल के 36वें संस्करण में राष्ट्रीय कैडेट कोर के युवाओं की भी भागीदारी रही। डॉ. मांडविया ने गांव के पुरुषों और महिलाओं से फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने और कार्बन क्रेडिट सुविधा का उपयोग करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, मैं सभी से फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने और यह देखने वाले समय से लेकर हृदय गति आदि तक, आपके स्वास्थ्य के बारे में सभी जानकारी देता है, जो आपके स्वास्थ्य पर नजर रखने



किया गया है कि यह आपको दूरी और लगने वाले समय से लेकर हृदय गति आदि तक, आपके स्वास्थ्य के बारे में सभी जानकारी देता है, जो आपके स्वास्थ्य पर नजर रखने

के लिए फायदेमंद है। साइकिल चलाना मोटापे से लड़ने और प्रदूषण से निपटने का एक बेहतरीन साधन है।

मैं सभी से हमारे फिट इंडिया संडे ऑन

साइकिल अभियान का हिस्सा बनने का आग्रह करता हूँ।

एक स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त भारत के निर्माण के अपने मिशन को जारी रखते हुए,

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने आज राष्ट्रीय कैडेट कोर के साथ मिलकर देश भर में 5000 स्थानों पर 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 3000 नमो फिट इंडिया क्लबों ने भी भाग लिया।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में 1200 से अधिक उत्साही साइकिल चालकों ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम का चक्कर लगाया और डॉ. शिखा गुप्ता द्वारा आयोजित रस्सी कूदने की गतिविधि के अलावा जुम्बा, ध्यान और योग सत्रों का आनंद लिया। इसके अलावा, तलवारबाज नाजिया शेख और बेनी केभा ने साइक्लिंग अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि यह टियर 1 और टियर 2/3 शहरों में मोटापे और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में बहुत जरूरी जागरूकता फैला रहा है।

इस अवसर पर तलवारबाज बेनी केभा ने कहा, इतनी बड़ी भीड़ के साथ साइकिल चलाने का यह मेरा पहला अनुभव है। मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूँ। फिट

इंडिया संडे ऑन साइकिल लोगों को मोटापे और प्रदूषण जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बारे में जागरूक करने की एक बेहतरीन पहल है।

लोगों को एक ही जगह पर जुम्बा, योग, रस्सी कूदने से लेकर बैडमिंटन, नेट क्रिकेट आदि जैसी विभिन्न शारीरिक गतिविधियों का आनंद लेते देखा बहुत अच्छा लगा। सुबह की शुरुआत ऊर्जा से भरपूर रही और सभी के लिए यह संदेश स्पष्ट था कि हमें फिट और स्वस्थ रहने के लिए एक सक्रिय जीवनशैली अपनानी होगी।

इस बीच, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) के 100 से अधिक राइडर्स ने पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स (पीएलडब्ल्यू) में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि इस साइकिल पहल का अब तक 46 हजार से अधिक स्थानों पर आयोजन किया जा चुका है, जिसमें कुल मिलाकर आठ लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया है।

गोरखपुर में सीएम योगी ने किया ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का लोकार्पण

सृष्टि बचाने के लिए कम करना होगा कार्बन उत्सर्जन : योगी



भविष्य की ऊर्जा है ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी

गोरखपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और दुनिया के सामने सबसे बड़ी चिंता जीवसृष्टि और मानव सभ्यता को बचाने की है। जीवसृष्टि और मानव सभ्यता को बचाना है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप हमें नेट जीरो की तरफ बढ़ना होगा, कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम करना होगा। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के खानिमपुर में टॉरेंट समूह के ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। टॉरेंट गैस और टॉरेंट पावर द्वारा स्थापित यह ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट उत्तर प्रदेश का पहला और पूरे देश का दूसरा प्लांट है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और बीमारियों से बचाव में ग्रीन एनर्जी की बड़ी भूमिका होने जा रही है। कहा कि ऊर्जा क्षेत्र एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में हरित ऊर्जा तथा विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए यह प्लांट बड़ी भूमिका

निभाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्थापित यह प्लांट प्रदूषण से मुक्त ऊर्जा प्राप्ति की दिशा में एक नया प्रयास है। उन्होंने कहा कि यहां टॉरेंट ग्रुप का एक प्लांट पहले सीएनजी का है। अब यहां पर ग्रीन हाइड्रोजन का प्लांट लगाया गया है। अब यहां ग्रीन हाइड्रोजन और सीएनजी-पीएनजी की ब्लेंडिंग होगी। इसके बाद इसे घर घर रसोई गैस के रूप में पहुंचाया जायेगा। सीएम ने कहा कि उम्मीद है कि ग्रीन एनर्जी के उत्पादन के साथ यह नवाचार का केंद्र होगा और लोगों के जीवन को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा है। उत्तर प्रदेश के लिए यह खुशी की बात है कि प्रचुर जल संसाधन होने के चलते यहां इसकी व्यापक संभावना है। ग्रीन हाइड्रोजन जल से बनेगी। जल में दो हिस्सा हाइड्रोजन और एक हिस्सा ऑक्सीजन होता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जल संसाधन के लिहाज से अत्यंत समृद्ध है। यहां कई जगहों पर दस मीटर की गहराई में पानी मिल जाता है। कई नदियां यूपी में



प्रवाहित हैं। जल संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता से उत्तर प्रदेश बड़े पैमाने पर ग्रीन एनर्जी बनाने में सामर्थ्यवान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन हर उस कार्य से होता है जिससे प्रदूषण होता है। पहले घरों में भोजन लकड़ी या कोयला से बनाया जाता था जिससे कार्बन उत्सर्जन होता था। पीएम मोदी ने उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ परिवारों को निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये हैं।

इससे पीछे की मंशा लोगों को फेफड़े, टीबी, आंख से जुड़ी और अन्य बीमारियों से निजात दिलाने की रही। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में उज्ज्वला योजना के अगले फेज के लिए बड़ी धनराशि की घोषणा की है। सस्ती रसोई गैस के लिए भी प्रधानमंत्री ने पैकेज की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्ट्रीट लाइट में पहले सामान्य बल्ब प्रयोग किए जाते थे जिससे अधिक कार्बन उत्सर्जन होता था, उर्जा ज्यादा खर्च होती थी और बिजली का बिल भी अधिक आता था। आज

एलईडी स्ट्रीट लाइट लगने से उर्जा की खपत कम हुई तथा कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ। एलईडी से कीड़े नहीं जलते और बदबू भी नहीं आती। जबकि पहले प्रयोग होने वाले हैलोजन बल्ब में बरसात के बाद असंख्य कीड़े मड़रते थे जिससे बदबू आती थी।

सीएम योगी ने कहा कि हमारे पास ऊर्जा के क्षेत्र में हाइड्रो पावर, या थर्मल पावर है। प्रदेश में पवन ऊर्जा नहीं है। प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूबल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। अब तक इस क्षेत्र में हम 6 हजार मेगावाट तक पहुंचे हैं। इसमें वृद्धि हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है। रिन्यूबल एनर्जी के लिए किसी न किसी अन्य ऊर्जा की आवश्यकता होती है। भविष्य में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र सबसे ज्यादा व्यापक संभावना हाइड्रोजन एनर्जी में है। उन्होंने कहा कि अभी यह ऊर्जा कुछ महंगी जरूर है लेकिन आने वाले समय में मोबाइल फोन की तरह सस्ती हो जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन एनर्जी पूरी दुनिया की तकदीर को बदल देगी। आज

प्रकृति के साथ साथ मनुष्य के स्वास्थ्य पर जो विपरीत प्रभाव पड़ा है उसका पहला कारण प्रकृति के साथ खिलवाड़ और दूसरा कृषि में कीटनाशकों, रसायनिक उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग है। कैसर, लीवर में खराबी और अन्य गंभीर बीमारियों का भी कारण यही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। बरसात भी देरी से हो रही है। आज जो वर्षा हो रही है इसे जुलाई माह में होना चाहिए था, अब इसमें देरी हो रही है। पहले नवरात्रि के समय लोगों के घर में चूड़ा आ जाता था लेकिन मौसम की देरी के साथ फसल भी देर से हो रही है। आज कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। यह सब पर्यावरण के साथ खिलावाड़ का परिणाम है। लोग पेड़ काट रहे हैं। प्रदूषण के कारण जल के स्रोत खराब हो रहे हैं पानी प्रदूषित हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सारे कार्यों से हम जीवन के साथ जीवसृष्टि के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि आज पूरा देश सीएम योगी के विकास और कल्याण के विजन को देख रहा है। यूपी का कानून व्यवस्था और नीतिगत आधार पर उन्होंने ऐसा कायाकल्प किया कि देश और दुनिया के निवेशक यूपी में निवेश को तत्पर हैं। रवि किशन ने कहा कि गोरखपुर में ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट ग्रीन एनर्जी की क्रांति का संवाहक बनेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में बदहाल और बदनाम रहा गोरखपुर अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच से पूरे देश में चमक रहा है।

गो-सेवा के क्षेत्र में गांव-गांव तकनीकी सहायता देगी पतंजलि

गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में योगी सरकार

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने पतंजलि योगपीठ के साथ साझा रणनीति बनाई है। हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण से विस्तृत चर्चा की। इस बातचीत में उत्तर प्रदेश में गो संरक्षण, पंचगव्य उत्पाद, प्राकृतिक खेती और बायोगैस संयंत्रों के प्रसार को बढ़ावा देने पर सहमति बनी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि गांव की गाय, गांव की तरक्की का आधार है। इसी सोच को धरातल पर उतारने के लिए

पतंजलि योगपीठ ने तकनीकी सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

अब गोशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण उद्योग, पंचगव्य उत्पाद निर्माण और बायोगैस उत्पादन के आधुनिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बाबा रामदेव जल्द ही उत्तर प्रदेश आएंगे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर रोजमैप को अंतिम रूप देंगे।

गो सेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों में 2 से 10 गोशालाओं को चयनित कर उन्हें बड़े मॉडल गोशालाओं के रूप में विकसित किया जाएगा। गो अभियानों में खुले शेड, बाड़ और सुरक्षा व्यवस्था विकसित कर गोवंश की मुक्त आवाजही सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उत्पादन से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और 50 प्रतिशत कमीशन मॉडल के माध्यम से गोमूत्र संग्रह व उत्पाद बिक्री में ग्रामीणों की सीधी भागीदारी होगी।

सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल सीएम योगी से मिलीं

भाजपा में शामिल होने की होने लगी चर्चा

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ से औपचारिक मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। सपा विधायक पूजा पाल ने माफिया सरगना अतीक अहमद के मारे जाने पर सीएम योगी की सराहना की थी, इससे बौखलाए अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया। पूजा पाल के भाजपा में शामिल होने की चर्चा है।

सपा की बागी और फिर बीते गुरुवार को निष्कासित की



गई विधायक पूजा पाल ने शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। सपा से निकाले जाने के बाद यह सीएम के साथ उनकी पहली औपचारिक मुलाकात है।

पूजा पाल कौशांबी जिले की चावल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी की विधायक हैं। पिछले साल राज्यसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के पक्ष में वोटिंग की थी। बृहस्पतिवार को पूजा पाल ने विधानसभा में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की तो सपा अध्यक्ष ने निष्कासन पत्र भिजवा दिया। उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया सरगना अतीक अहमद और उसका आपराधिक साम्राज्य को धूल में मिलाने के बाद पूजा पाल ने योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्हें सपा सरकार में नहीं, भाजपा सरकार में न्याय मिला। उनके बयानों को लेकर पार्टी प्रमुख काफी नाराज चल रहे थे।

चुनाव-चोरी के आरोपों पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का करारा प्रहार कुर्सी खो चुके सपनों के सौदागर जनता को कर रहे गुमराह

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सोशल मीडिया वाले नेता लगातार हार से हताश हो चुके हैं। हार से बौखलाए कुर्सी खो चुके सपनों के सौदागर अब जनता को गुमराह करने के लिए चुनाव आयोग पर हमला कर रहे हैं। लोकतंत्र की दुहाई देने वाले अखिलेश यादव पहले अपनी पार्टी और शासनकाल का दागदार इतिहास साफ करें तो ज्यादा बेहतर होगा। लोग भूले नहीं हैं।

चुनाव आयोग पर अखिलेश के आरोपों के जवाब में स्वतंत्र देव सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव लोकतंत्र के मसीहा नहीं, सपा के गुंडा-राज के वारिस हैं। उन्हें लोकतंत्र की चिंता नहीं, कुर्सी की चिंता ज्यादा है। जनता सब जानती है सपा का मतलब गुंडा-राज और भाजपा का मतलब सुशासन। हताश राजकुमार अब आयोग पर उंगली उठाकर अपनी डूबती नैया बचाना चाहते हैं। चुनाव आयोग पर अपनी हार का ठीकरा फोड़



के वह यह दिखाना चाहते हैं कि वह जनता के नेता हैं, जबकि असलियत यह है कि वह जनता का भरोसा कब का खो चुके हैं।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा का इतिहास बूथ के कैचरिंग, मतदाता सूची में हेरफेर और चुनावी हिंसा से भरा पड़ा है। 2012 से 2017 तक यूपी में लोकतंत्र नहीं, बल्कि गुंडा-राज चला। 2009 में मैनुपुरी चुनाव के दौरान एक बड़े सपा नेता की मौजूदगी में बूथ पर पुलिस पर हमला हुआ, लेकिन एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई। यही सपा का असली चेहरा है-क्या

अखिलेश वही युग वापस लाना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के आरोप पूरी तरह झूठ और निराधार हैं। चुनाव आयोग ने जांच की और कोई सबूत नहीं पाया।

सपा को चुनाव आयोग बुलाती है तो वहां अपनी बात नहीं रखते। संसद में बात नहीं रखते। सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वालों को फटकारा है। लेकिन सोशल मीडिया पर ये लोग सफेद झूठ पोसते हैं। असलियत यह है कि हार से बौखलाए अखिलेश अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए आयोग

पर उंगली उठा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि आज चुनाव आयोग पूरी तरह स्वतंत्र और पारदर्शी ढंग से काम कर रहा है। वीवीपैट, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कड़ी निगरानी जैसे सुधारों ने सपा की बूथ केचरिंग की राजनीति को हमेशा के लिए बंद कर दिया है। यही कारण है कि अखिलेश यादव बेचैन हैं और आयोग को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सपा के राज में विधानसभा व पंचायत चुनावों के दौरान बूथ केचरिंग, नकली वोटिंग और प्रशासन पर दबाव की घटनाएं आम थीं। इस दौर में कई जिलों में चुनावी हिंसा में मौतें और गंभीर झगड़े हुए। सपा सरकार में अपराधी और बाहुबली चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बने। माफिया सरगना खुलेआम मतदान केंद्रों पर कब्जा करते थे। लोगों के मताधिकार को छीना गया। उनकी चुनाव आयोग पर दबाव डालने की परंपरा रही है, ताकि वो सही से काम न कर सके। इसी तरह, प्रशासनिक अफसरों पर दबाव बनाकर मतदाता सूचियों में हेरफेर की शिकायतें भी आती रही हैं।

फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट से युवाओं के सपनों को मिल रही उड़ान

विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं के विस्तार से अपराध नियंत्रण में तेजी

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस विभाग को टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में अपराध की रोकथाम, अपराधियों की पहचान और कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिए कठोर सजा दिलाने के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला का विस्तार किया है। वहीं प्रदेश में फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना भी की, ताकि प्रदेश के युवा फॉरेंसिक के क्षेत्र में अपना करियर बना सकें। साथ ही इसके माध्यम से फॉरेंसिक के जरिये साइबर अपराध समेत अपराधियों को फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर कड़ी सजा दिलाई जा सके।

योगी सरकार ने प्रदेश के पहले फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की है। वर्तमान में यह संस्थान फॉरेंसिक शिक्षा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र है। यहां प्रशिक्षु वैज्ञानिकों, पुलिस अधिकारियों और जांच से जुड़े कर्मियों समेत छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। साथ ही नई तकनीकों पर शोध कार्य भी किया जा रहा है। इससे उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में नई पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि प्रदेश में विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं को न सिर्फ विस्तार दिया गया, बल्कि

उन्हें अत्याधुनिक संसाधनों से भी लैस किया गया है। प्रदेश में विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं की संख्या और क्षमता में वृद्धि, आधुनिक तकनीक का समावेश और प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की नियुक्ति ने प्रदेश में अपराध नियंत्रण की गति को तेज कर दिया है। फॉरेंसिक विज्ञान को लेकर उठाए गए ये कदम केवल अपराधियों को सजा दिलाने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ये समाज में न्याय और सुरक्षा की भावना को भी मजबूत कर रहे हैं। यह पहल उत्तर प्रदेश को एक सुरक्षित, न्यायपूर्ण और आधुनिक राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में महज 4 विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं संचालित थीं। इन प्रयोगशाला-13ों का संचालन लखनऊ, वाराणसी, आगरा और गाजियाबाद में किया जा रहा था। यह मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अपराध नियंत्रण और न्याय प्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से नई प्रयोगशालाओं की स्थापना का निर्णय लिया। नतीजतन वर्ष 2017 के बाद 8 नई प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं। वर्तमान समय में प्रदेश में कुल 12 विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं सक्रिय हैं। इनमें झांसी, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर, बरेली, गोंडा, अलीगढ़ और मुरादाबाद शामिल हैं। योगी सरकार का यह विस्तार अपराध जांच की दिशा में क्रांतिकारी कदम साबित हुआ है।

गोरखपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में उच्च स्तरीय इलाज के लिए अब न तो स्पेशलिटी सुविधाओं की कमी है और न ही पैसे की। यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं हैं और आम नागरिक को उसका लाभ दिलाने की प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) भी है। यदि किसी के इलाज में आयुष्मान योजना की राशि कम पड़ेगी तो मुख्यमंत्री राहत कोष और जनप्रतिनिधियों की निधि से उसकी भरपूर मदद की जाएगी।

सीएम योगी रविवार को रीजेंसी हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्पिटल का निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया और हॉस्पिटल के पेशेंट एप रीजेंसी माई केयर को भी लांच किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले महंगी स्वास्थ्य सुविधाएं गरीब के लिए दुर्लभ थीं, पर आज सहज उपलब्ध होने लगी हैं। यूपी सरकार ने साढ़े पांच करोड़ लोगों को



आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया है। इसके आलावा जिन लोगों के पास आयुष्मान योजना या मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं है, उनके लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से है। विधायकों को भी उनकी निधि से पचीस लाख तक की सहायता इलाज के लिए देने का अधिकार दिया गया है। सीएम योगी ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से भी पिछले एक वर्ष में 1100 करोड़ रुपए इलाज के लिए दिए गए हैं। पहले यह सुविधाएं नहीं थीं और अगर कुछ सुविधाएं मिलती भी थीं तो फिक एंड चूज के माध्यम से चेहरा देखकर मिलती थीं।

सीएम योगी ने कहा कि जनता

के साथ जो हर समय खड़ी हो वही सरकार है। सरकार का लक्ष्य हो कि जनता को बिना भेदभाव के सभी सुविधाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि इलाज हेतु प्रधानमंत्री राहत कोष से भी पैसा मिलता है। आज हर एक स्तर पर यह सुविधा मिल रही है। पिछले 11 वर्ष में विकासपरक परिवर्तन के फलस्वरूप व्यक्ति की आर्थिक क्षमता भी बढ़ी है। व्यक्ति पैसा खर्च कर सकता है बस उसको सुविधाओं की आवश्यकता रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ढाई सौ बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशलिटी का शुरू होना गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक ही छत के नीचे यहां सारी सुविधाएं

मिलेंगी। इसका लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमांचल बिहार और नेपाल के लोगों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि की कानपुर में रीजेंसी हॉस्पिटल चिकित्सा सेवा के बैंक बोन के रूप में है और यूपी में इसकी श्रृंखला शुरू हो रही है। इस हॉस्पिटल को गोरखपुर में स्थापित कराने के लिए सीएम योगी ने इसके साझीदार तनयय मोदी की मुक्त कंठ से सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल उपचार का माध्यम है लेकिन यदि उपचार में सावधानी और सतर्कता नहीं बरती गई तो वह इफेक्शन का भी माध्यम बन जाता है। इस अस्पताल में इन सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। यह अस्पताल इस क्षेत्र के पांच करोड़ आबादी के लिए एक बेहतरीन स्वास्थ्य केंद्र बनेगा।

सीएम योगी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में आज से दस वर्ष पहले स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत बहुत खराब थी। सरकार उदासीन थी, जनता जैसे-तैसे अपना जीवनयापन करती थी। जनता को उत्तम स्वास्थ्य की

सुविधा देने की प्रतिबद्धता के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब कार्य शुरू किया तो देश में स्वास्थ्य सुविधाओं में बेहतरीन वृद्धि देखने को मिली। आज से दस वर्ष पूर्व, पूर्वी यूपी में बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही एक मात्र बड़ा स्वास्थ्य केंद्र था, जो खुद ही बीमार था। शासन की प्रतिबद्धता से आज बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। गोरखपुर में एम्स भी संचालित हो गया है, दर्जनों अन्य अस्पताल भी खुल गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पूर्वी यूपी में गोरखपुर में ही मेडिकल कॉलेज था। आज बस्ती, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, अयोध्या, जौनपुर, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अम्बेडकरनगर, चंदौली, मिर्जापुर आदि जिलों में भी मेडिकल कॉलेज हैं। बलिया में भी सरकार मेडिकल कॉलेज खोलने जा रही है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों की एक लंबी श्रृंखला है, पहले इसका अभाव था।

संपादकीय

ट्रंप टैरिफ से निर्यात पर संकट

केन्द्र सरकार के प्रमुख सलाहकार (आर्थिक) अन्ता नागेवसरन ने कहा कि ट्रंप टैरिफ का असर 6 महीने से ज्यादा नहीं रहे वाला है। उन्होंने कहा, लागू टैरिफ चैलेंज के लिए पाइपवे सेक्टर को अहम योगदान देना होगा। नागेवसरन ने चेतावनी कि छह महीने के दौरान जैस्म एंड जूलरी टेक्सटाइल सेक्टर और पूड इंडस्ट्री को बड़े हुए टैरिफ का मुकाबला करना होगा। ट्रंप टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वुछ क्षेत्रों में तो अभी से बुरा असर पड़ना शुरू हो गया है। भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के भारी भरकम 50 फीसदी टैरिफ ने देश के कई प्रमुख निर्यात उद्योगों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। इसका असर न सिर्फ भारत के 55 फीसदी निर्यात पर पड़ेगा, बल्कि राज्यों के सामने भी नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। हालांकि, टैरिफ का असर सभी क्षेत्रों में समान नहीं है। लेकिन कहीं पुराने सौदों पर संकट है तो कहीं बंधव्य में आर्डर उपर होने की आशंका बढ़ गई है। चावल निर्यातकों की चिंता। भारत 127 देशों को करीब 60 लाख टन चावल निर्यात करता है। इसमें से करीब 2.70 लाख टन चीन, 4 फीसदी भारत अमेरिका को जाता है। इस निर्यात में करीब 40 फीसदी हिस्सा हरियाणा में तारवल (करनाल) से जाता है। ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन का कहना है कि अगर अमेरिका को बासमती चावल का निर्यात नहीं होता तो भी बड़ा नुकसान नहीं होने वाला है। 2.70 लाख टन अन्य देशों में खपाना मुश्किल नहीं होगा। फिलहाल चावल निर्यातकों वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं, क्योंकि एक पाक का निर्णय अमेरिका के प्रति



भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के भारी भरकम 50 फीसदी टैरिफ ने देश के कई प्रामुख निर्यात उद्योगों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। इसका असर न सिर्फ भारत के 55 फीसदी निर्यात पर पड़ेगा, बल्कि राज्यों के सामने भी नई चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। हालाँकि, टैरिफ का असर सभी क्षेत्रों में समान नहीं है। लेकिन कहीं पुराने सौदों पर संकट है तो कहीं भविष्य में आईर टप होने की आशा बढ़ गई है। 17वली निर्यातकों की लिस्ट। भारत 127 देशों को करीब 60 लाख टन भारत मूल निर्यात करता है। इसमें से करीब 2.70 लाख टन यानि 4 फीसदी चावल अमेरिका को जाता है। इस निर्यात में करीब 40 फीसदी हिस्सा हरियाणा में तरावी (करनाल) से जाता है। करीब 20,000 करोड़ रुपए का निर्यात होता है। इसमें से 10,000 करोड़ रुपए तक का व्यापार अकेले अमेरिका से जुड़ा है। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने से 500 करोड़ रुपए के पुराने ऑर्डर पर संकट आ गया है। नए ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। कुछ निर्यातकों के हल में ही स्थिति को भांप गए थे। ऐसे में उन्होंने अमेरिका से बड़े ऑर्डर लेना बंद कर दिए और उत्पादों में भी कटौती की है। सिगापुर के जेएफ भी अमेरिका से व्यापार में की गुंजाइश है। यूके से द्विपक्षीय समझौते से कुछ लाभ मिल सकता है। पानीपत में 35000 करोड़ टेक्सटाइल्स इकाइयाँ हैं और जिसमें 500 एक्सपोर्ट हाउस हैं और इनमें करीब 2.5 लाख लोगों को रोजगार मिलता है। नए ऑर्डर नहीं मिलने पर इनकी आजीविका पर असर पड़ेगा। जम्मूकश्मीर के हैडलुआ और हस्तशिल्प उद्योग (विशेषकर परमीना एवं घनीना शाल) ने खेतों तनी साल में निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। टैरिफ के बाद कारोबारी सतर्क हो गए हैं। जम्मू के

माल महंगा होगा पर कोई आर्डर अभी तक रद्द नहीं हुआ है। हमारे लिए दूसरे देशों के बाजार खुले हुए हैं। मगर अमेरिका में मांग घटी तो निर्यात को दूसरे देशों के बाजारों में मोड़ देते। वणिज्यक्षेत्र खुशियाँ एवं सांख्यिकी महानिदेशालय और जम्मू-कश्मीर ऑफिस खुले से खुल गये। निर्यात तीन साल में बढ़कर 2023-24 में 1,162 करोड़ पहुंच गया। इसमें शॉल का निर्यात 477.24 करोड़ था। रोहतक का नटबोल उद्योग सालाना 5,000 करोड़ रुपए का कारोबार करता है। इसमें 70 फीसदी निर्यात अमेरिका को होता है। उद्योगियों का कहना है कि नया टैरिफ अगर लागू होगा है तो नरपत्र आपूर्ति प्रभावित होगी बल्कि कारोबार भी मुश्किल में आ जाएगा। चिंता की बात है कि कुछ वंपनियों को दो महीने से अमेरिका से कोई आर्डर नहीं मिला है। बड़ी वंपनियों पुराने आर्डर को पूरा करने में लगी हैं। भविष्य के लिए जो आर्डर मिलें हैं। उनकी आपूर्ति पर टैरिफ का असर दिखेगा। अंतरिकत टैरिफ से जिले की औद्योगिक इकाइयों के लिए दुनिया के बड़े बाजारों में माल बेचना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि उत्पाद 25 फीसदी तक महंगा हो जाएगा। इसका असर वंपनी पर सीधा न पड़ेकर ग्राहक पर पड़ेगा जिसमें लाठ जिसने बताया हम अमेरिका, यूके, यूरोप में नट-बोल्ट की आपूर्ति करते हैं। टैरिफ के कारण यहां से करीब 50 करोड़ रुपए के ही आर्डर बुक हुए हैं। हमारा 70 फीसदी नट-बोल्ट अमेरिका जाता है पहले फिक्स्ड ड्यूटी तीन फीसदी थी। अब यह बढ़कर 25 फीसदी हो गई है। यह पिछले 40-50 वर्षों में बहुत ज्यादा है। इसके अलावा 25 फीसदी टैरिफ और भी है। इससे हमारा उत्पाद काफी महंगा हो जाएगा ऐसा यहां के उद्योग चलाने वालों का मानना है। मैंने यह तो सिर्फ हरियाणा के कुछ उद्योग और निर्यातकों की बात की है, शेष देश में प्रभावित उद्योगों की बात नहीं की। लाखों कामगारों बेरोजगार होने की कागार पर खड़े हैं। पहले से ही बेरोजगारी देश में चरम पर है, इस नए धमके का क्या असर पड़ेगा जल्द पता चल जाएगा।

आप का नजरीया

आसिम मूनीर की खुली धमकी

खुली

खुली धमकी अमेरिका के फ्लोरिडा शहर में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अमेरिकी धरती से भारत को धमकी भरा बयान दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष के तीन महीने बाद अब पाकिस्तानी सेना प्रमुख व बॉम्बर सामने आया है। मुनीर ने दावा किया है कि मई में हुए संघर्ष में पाकिस्तान को कामयाबी मिली थी साथ ही उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु बनने का दावा करता है लेकिन ऐसा वुछ नहीं है। आसिम मुनीर का बयान ऐसे समय पर सामने आया है जब शनिवार और रविवार को ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय थल सेना और वायु सेना प्रमुखों के अलग-अलग बयान सामने आए हैं। पहले बता दें कि भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने क्या कहा। उन्होंने कहा था कि पहलागाम हमले के जवाब में चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर किसी भी परांपरिक मिशन से अलग था। शनिवार को भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने दावा किया था कि मई में हुए संघर्ष के दौरान भारत ने छह पाकिस्तानी विमानों को मार गिराया था। हालांकि उसी रोज पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने बयान जारी कर इसका खंडन किया। 10 मई को संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद गोलीबारी थम गई थी। उस समय पाकिस्तान ने भारत के पांच लड़ावू विमान गिराने का दावा किया था, जिसे भारत ने फिरे से खारिज कर दिया था। फ्लोरिडा में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने एक निजी कार्यक्रम में दावा किया था कि पाकिस्तान ने भारत के भेदभाव पूर्ण और दोहरे व्यवहार वादी नीतियों के खिलाफ एक सफल वृत्तनीयक युद्ध लड़ा है।

धमकी दे
अगर भार

भयभीत दे डाली। मुनीर ने कहा कि अगर भारत न सिंधु नदी का पानी रोकने के लिए बांध बनाया तो हम मसिदाइल से उसे उड़ा देंगे। मुनीर ने कहा, हम भारत के सिंधु नदी पर डैम बनने का इंतजार करेंगे और जब वे ऐसा करेंगे तो हम मसिदाइल से उसे तबाह कर देंगे। पाकिस्तान के फौजदारी मुनीर यह गोदड़ भयभीत करने से भी नहीं चूके कि अगर भविष्य में भारत के युद्ध युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हुआ तो वो इस पूरे क्षेत्र को परमाणु युद्ध में डोक देंगे। मुनीर ने कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हम लगे हाथों कि हम डूब रहे हैं तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।



भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष के तीन महीने बाद अब पाकिस्तानी सेना प्रमुख का बयान सामने आया है। मुनीर ने दावा किया है कि मैंने हुए संघर्ष में पाकिस्तान को कायमायी मिली थी। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु बनने का दावा करता है लेकिन ऐसा वुछ नहीं है। आसिम मुनीर का बयान ऐसे समय पर सामने आया है जब शनिवार और रविवार को अपरेशन सिंदूर पर भारतीय बल सेना और वायु सेना प्रमुखों के अलग- अलग बयान सामने आए हैं।

अमेरिकी धरती से किसी तीसरे देश



डॉ. मोतीलाल गुप्ता
'आदित्य'

तक भारत रक्षा क्षेत्र में, रक्षा प्रणालियों, युद्धक विमानों, युद्ध पोतों और प्रौद्योगिकी के लिए विकसित देशों पर निर्भर रहा है, ऐसे अनेक क्षेत्रों में भी भारत स्वदेशी प्रौद्योगिकी और उपकरणों का तेजी से विकास कर रहा है। जिसके चलते भारत की अर्थव्यवस्था भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

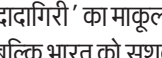
वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। इस युग में जिसका डिजिटल-विश्व में वर्चस्व है, वही दुनिया पर राज कर सकता है। आत्मनिर्भर वही हो सकता है जिसके पास डिजिटल शक्ति है। इसी के चलते चीन और रूस जैसे देशों ने अपना खुद का सर्च इंजन बहुत पहले बना लिया था। रूस और चीन दोनों देशों में अपने स्वयं के सर्च इंजन हैं जो गूगल के विकल्प के रूप में काम करते हैं। रूस का सर्च इंजन: यांडेक्स है इसे 1997 में स्थापित किया गया था। यह सर्च इंजन वेब पेज, ईमेल, न्यूज और अन्य सेवाएं प्रदान करता है। अगर बाजार हिस्सेदारी की बात करें तो रूस में यांडेक्स की बाजार हिस्सेदारी लगभग 62.6 प्रतिशत है, जबकि गूगल की हिस्सेदारी लगभग 28.3 प्रतिशत है। चीन के सर्च इंजन का नाम बाइडू है जिसकी स्थापना 2000 में की गई जो वेब पेज, ईमेल, वीडियो और अन्य सेवाएं प्रदान करता है। चीन में बाइडू की बाजार हिस्सेदारी लगभग 66 प्रतिशत है। हालांकि रूस और चीन में गूगल का प्रयोग किया जाता है लेकिन उनकी बाजार हिस्सेदारी कम है। रूस में गूगल की हिस्सेदारी लगभग 28.3 प्रतिशत है, जबकि चीन में गूगल की हिस्सेदारी बहुत कम है क्योंकि चीन में गूगल की सेवाएं प्रतिबंधित हैं। इसके अतिरिक्त सोगोउ चीन में एक अन्य लोकप्रिय सर्च इंजन है जिसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 5 प्रतिशत है। चीन ने तो अपना स्वदेशी सर्च इंजन बनाने के साथ-साथ फेसबुक ट्विटर जैसे सभी प्लेटफॉर्म को चीन में प्रतिबंधित करके हुए अपने स्वदेशी मीडिया का प्रयोग प्रारंभ कर अमेरिका के गूगल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता समाप्त कर दी थी।

इस प्रकार यह है कि डिजिटल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने बिना हम आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र नहीं बन सकते। यहां यह कहना भी अनुचित न होगा कि भारत सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी शक्ति होने के बावजूद इस क्षेत्र में अब तक अमेरिका जैसी महाशक्तियों के सामने बहुत पीछे है। यह कहना भी अनुचित न होगा कि भारत लगभग पूरी तरह अमेरिकन डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भर है। भारत में पिछले कई दशकों से यह बात लगातार उठती रही है कि यदि भारत को डिजिटल विश्व में आत्मनिर्भर बनना है तो हमारे पास खुद का सर्व इंजन होना चाहिए। भारत को इससे न केवल हमारी गूल पर निर्भरता समाप्त होगी बल्कि हमारा डाटा भी हमारे पास रहेगा जिसके माध्यम से अमेरिका और उसकी कंपनियां हमारे बाजार पर, हमारे दिलों-दिमाग पर अपना नियंत्रण स्थापित करती है।

लगभग 90 करोड़ इंटरनेट प्रयोक्ताओं के साथ भारत, चीन के बाद विश्व का सबसे बड़ा इंटरनेट प्रयोक्ता है। इसके बावजूद आज भी भारत में एक सामान्य व्यक्ति के लिए इंटरनेट का अर्थ अमेरिका कंपनियों के गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि हैं। इन सब का न होना तो सामान्य व्यक्ति के लिए इंटरनेट होना भी व्यर्थ हो जाएगा। इन प्लेटफार्म के माध्यम से अमेरिका कंपनियों के पास भारत के 140 करोड़ लोगों का डाटा पहुंचता है। जिसके माध्यम से सूचना-साप्ताह्य पर अमेरिका का विश्वभर में और विशेषकर भारत पर लगभग एकाधिकार है। इस सूचना-साप्ताह्य के माध्यम से अमेरिकन कंपनियां हमारी सोच, हमारे विचार, हमारी

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव



यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए लोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक परिपक्वता है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है।

g

वाराणसी

देशवासियों को आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि मैंने घर-स्वदेशों सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप को 'देवाकी राजनीति' और 'टैरिफ को दादागिरी का माकूल नजारा' है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मैंने न 'आत्मनिर्भरता' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए लोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजरोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है। डॉनाल्ड ट्रंप को बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था' तक कर दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संभ्रुता पर एक असभ्य और अक्षय्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घेरते-राखते ही 'ऑफ़ीशियल भारत' इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राष्ट्रीयकृत असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राजनीति अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थी एवं मारभेदों को राष्ट्रीय स्वार्थिमान से ऊपर रखती है। भारतीय की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और आईसीडी भी इसी प्रतिष्ठित संस्थाएँ हैं लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अपने विकासित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हाँ, चुनौतियाँ हैं, बेरोजगारी,

अभिरुचि, हमारे व्यवहार और हमारे दिमागों को पढ़ती हैं। हम क्या सच करते हैं, हम क्या संदेश भेजते हैं, हम क्या सोचते हैं, हम किससे बात करते हैं, हमें किस तरह के समाचार अथवा कार्यक्रम अच्छे लगते हैं, हमें किस उत्पादों की आवश्यकता है? इस डाटा का विश्लेषण करते हुए अमेरिकन कंपनियां भारत में अपने बाजार का विस्तार करती हैं। इसके चलते अमेजन जैसी डिजिटल व्यापार कंपनियों का भी भारत पर तेजी से वर्चस्व बनता जा रहा है। यही नहीं, इन डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से और उपलब्ध सूचनाओं का प्रयोग करते हुए अमेरिका और उसकी कंपनियों द्वारा विश्व के विभिन्न देशों में लोगों की सोच को प्रभावित करते हुए राजनीतिक और रणनीतिक प्रयोजन भी किया जाता है। इस तरह डिजिटल दाना न केवल हमारी आर्थिक स्वाधीनता के लिए घातक है बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता के लिए भी चुनौती की तरह है।

आत्मनिर्भरता और डाटा की सुरक्षा के लिए भारत द्वारा भी अपना सर्वे इंजन बनाने की आवश्यकता महसूस की जाती रही है। भारत की आत्मनिर्भरता के लिए न केवल गूगल जैसा सच बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी अपने होने चाहिए। अपने कंप्यूटरों पर कार्य करने के लिए भारत के अधिकांश लोग आज भी माइक्रोसॉफ्ट पर निर्भर हैं। यदि आज माइक्रोसॉफ्ट उपलब्ध न हो तो देश का लगभग सभी कार्य बंद हो जाएगा। गूगल फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम आदि प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा प्रयोग करने वाला देश है। इनके द्वारा अमेरिकन कंपनियां हर वर्ष अरबों डॉलर कमाती हैं।

हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ हमला करने के बाद भारत सरकार द्वारा डिजिटल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़े कदम उठाने पर विचार कर रही है। चर्चा यह भी है कि भारत द्वारा अपना स्वयं का स्वदेशी सर्च इंजन कॉमेट लॉन्च कर दिया गया है। लेकिन वास्तव में कॉमेट का विकास परलेक्सिटी कंपनी द्वारा किया गया है। जिसके चार संस्थापकों में से एक संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भारतीय मूल के अमेरिकी अर्जिनंद श्रीनिवास हैं। कॉमेट एक सर्च इंजन है जो उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट पर जानकारी खोजने में मदद करता है। कॉमेट मूलतः एक कृत्रिम बुद्धि युक्त ब्राउजर है। कॉमेट को एआई-ब्राउजर की शुरुआत माना जा रहा है है। जहां ब्राउजर सीधे एआई एजेंट के रूप में कार्य करता है। यह न केवल खोज उपकरण के रूप में एक मेटा सर्च इंजन है, जिसका अर्थ है कि यह अन्य सर्च इंजनों जैसे कि गूगल, बिंग यह माइक्रोसॉफ्ट का सर्च इंजन है, ऐसे सर्च इंजन आदि से परिणाम इकट्ठा करता है और उपयोगकर्ता को एक ही स्थान पर विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्रदान करता है। कॉमेट उपयोगकर्ता को एक ही स्थान पर विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्रदान करता है और उपयोगकर्ता के खोज विज्ञप्ति के अनुसार प्रासंगिक परिणाम प्रदान करता है।

भारत के प्रधानमंत्री रंदेश मोदी लगातार मातृभाषा और भारतीय भाषाओं के आगे बढ़ाने की और उनके माध्यम से ज्ञानार्जन की बात करते रहे हैं। सर्च इंजन कॉमेट भारत की जनता की मातृभाषा की शक्ति से लैस है। बताया जा रहा है कि यह अंग्रेजी के अतिरिक्त भारत की 22 से अधिक भाषाओं में कार्य करेगा। यह कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से युक्त है। यह सर्च इंजन भारतीय भाषाओं में सुनेगा, समझेगा और ऑडियो वीडियो के माध्यम से जवाब भी देगा। निश्चय ही भारत का सर्च इंजन कॉमेट भारत की डिजिटल आज़ादी की ओर एक बड़ा कदम है। यदि यह प्रचलित होता है तो इसके प्रयोग से भारतवासियों के डाटा के विदेश में जाने पर रोक लगेगी और डाटा चोरी, भारतीय तंत्र की जासूसी आदि पर भी रोक लगा सकेगी। यह भी उम्मीद की जा रही है कि इसके माध्यम से भारत के लोगों को विशेष कर कमज़ोर वर्ग के लोगों की भी कम दर पर अधिक डाटा उपलब्ध हो सकेगा।

यह माना जा रहा है कि कॉमेट न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी गूगल को टक्कर दे सकता है। फिलहाल इसे दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और अफ्रीका आदि के 32 देश में लांच किया है। भविष्य में इसका विस्तार किए जाने की भी योजना है। कॉमेट के लॉन्च होते ही दुनिया के 100 से अधिक देशों में इसे डाउनलोड

महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आध्यात्मिकता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आध्यात्मिकता से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ते हुए आमादा हैं, तब भारत को अपनी आध्यात्मिकता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपयोग के क्षेत्र में स्वदेशी विजय नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैफैर आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देशी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्ष्य है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अग्रगण्य प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दुर्ग उत्पादन में श्रेष्ठ क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हो या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन का वितरण, भारत ने दिखाया है कि यह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें वैश्वीय पूंजी या तकनीकी की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि

किया गया है। परप्लेक्सिटी कंपनी एआई मोबाइल ओईएमएस के साथ साझेदारी करने की योजना बना रही है ताकि कॉमिट ब्राउजर को स्मार्टफोन में पहले से इंस्टॉल किया जा सके। यदि कॉमिट ब्राउजर स्मार्टफोन में पहले से इंस्टॉल होता है, तो यह नए उपयोगकर्ताओं को आकर्षित कर सकता है और गूगल क्रोम की बाजार हिस्सेदारी को कम कर सकता है। परप्लेक्सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्जिनद श्रीनिवास का कहना है कि अगर कॉमिट उपयोगकर्ताओं के बीच फैल जाता है, और वे इसे क्रोम का डिफॉल्ट ब्राउजर बनाते हैं, तो यह गूगल के लिए विज्ञापन राजस्व में बड़ा नुकसान हो सकता है।

इसके लॉन्च होते ही अमेरिका की डिजिटल कंपनियों के कान खड़े हो गए हैं, क्योंकि अमेरिकन डिजिटल प्लेटफॉर्मों और गूगल का सबसे बड़ा प्रयोक्ता भारत है। कयास लगाए जा रहे हैं कि कॉमेट के लॉन्च के बाद भारत जल्द ही फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी लेकर आएगा। ये कंपनियां कॉमेट की चुनौती का सामना करने के लिए रणनीति बनाने में लग गई हैं। कॉमेट के आगमन को गूगल के वर्चस्व को एक बड़ी चुनौती की तरह देखा जा रहा है। कॉमेट में इस तरह की व्यवस्था है जिससे डाटा को सुरक्षित रखा जा सकता है। यदि आने वाले समय में भारत ने अमेरिका डिजिटल प्लेटफॉर्मों को प्रतिबंधित कर स्वदेशी प्लेटफॉर्म का प्रयोग शुरू किया तो इससे न केवल भारत का डाटा भारत में ही रहेगा बल्कि संभावित डाटा चोरी और जासूसी पर भी रोक लगा सकेगी। इससे डिजिटल विश्व में अमेरिका का वर्चस्व भी कम हो जाएगा। लेकिन इस प्रतिस्पर्धा में गूगल जैसी कंपनियां भी बेहतर विकल्प रखने की कोशिश करेंगी।

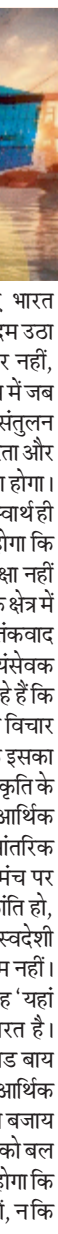
अमेरिका ने लंबे समय से भारत सहित लगभग पूरे विश्व पर गूगल और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से परोक्ष नियंत्रण बनाया हुआ था। इसमें कोई संदेह नहीं कि स्वतंत्र होने के बावजूद डिजिटल स्व-तंत्रता होने के कारण भारत डिजिटल दासता का शिकार रहा है। डिजिटल गुलामी की स्थिति में भारत का एक विकसित देश बनना और महाशक्ति बनना संभव नहीं है। कॉम्पैट की लॉन्चिंग न केवल भारत की डिजिटल शक्ति बढ़ाएगी बल्कि गूगल जैसी कंपनियों के सामने भी चुनौती पेश कर सकती है। लेकिन अभी कॉम्पैट अपने प्रारंभिक चरण में है, उसे वाले समय में पता लगेगा कि गूगल जैसे बड़े सर्च इंजन के मुकाबले यह कितनी मजबूती से खड़ा हो सकेगा और इसकी स्वकार्यता कितनी होगी ?

केबिनेट ने भारत एआई मिशन के लिए 10,300 करोड़ रुपए से अधिक की मंजूरी दी, एआई स्टार्टअप को सशक्त बनाएगा और कंप्यूटर इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच का विस्तार करेगा। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के अनुसार इंडियाएआई कार्यक्रम के लिए 10,300 करोड़ रुपए से अधिक की यह मंजूरी भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरित करेगी और इसे भारत और दुनिया के लिए एआई के भविष्य को आकार देने वाली शक्ति के रूप में स्थापित करेगी: उनका कहना है कि इंडियाएआई वित्तीय परिव्यय से एआई नवाचार और स्टार्टअप में भारत की अपार क्षमता को लाभ मिलेगा।

एआई ब्राउजर अथवा सर्च इंजन बनाने की दिशा में हम अभी तक कुछ नहीं कर सके हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत सरकार अथवा भारत स्थित किसी भारतीय कंपनी द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं के अनुसार अधिनियमित एआई ब्राउजर अथवा सर्च इंजन तैयार किया जाए, जिसके हम स्वदेशी एआई ब्राउजर अथवा सर्च इंजन कह सकें। इसी प्रकार चीन की तरह भारत में भी अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की तरह अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तैयार करने के लिए शीघ्र दोस्त पहले किए जाने की आवश्यकता है। भारत के कई बड़े उद्योग समूहों और टैक कंपनियों में यह क्षमता है कि वे इस कार्य के लिए आवश्यक निवेश कर सकें और प्रौद्योगिकी का विकास कर इन कार्यों को पूर्ण कर सकें। निश्चय ही इससे भारत डिजिटल दासता से मुक्त हो कर आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और विकसित भारत बन सकेगा!

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

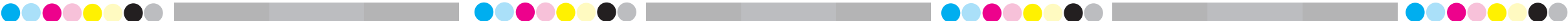
महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आध्यात्मिकता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आध्यात्मिकता से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ते हुए आमादा हैं, तब भारत को अपनी आध्यात्मिकता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपयोग के क्षेत्र में स्वदेशी विजय नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैफैर आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देशी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्ष्य है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दुध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हो या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन का वितरण, भारत ने दिखाया है कि यह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें वैश्वीय पूंजी या तकनीकी की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि



बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्तुओं की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय जरूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोजी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपहारों सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकद्रिष्टता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही चाहिए। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रथामंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सभ्यत, सम्पन्न और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेगें, अपने स्वेद, अपने स्वयं और अपने स्वदेश के बल पर। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार को आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मशोच की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेशी व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शून्यतुल्य व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहाँ तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।



रअसल वॉशिंगटन डीसी में स्थानीय शासन एमोक्रैट्रेस का है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप किसी तरह वॉशिंगटन डीसी का कंट्रोल अपने हाथों में लेना चाहते हैं। पेंटागन के अधिकारियों का कहना है कि नेशनल गार्ड्स के जवानों को शांति स्थापित करने की ट्रेनिंग दी गई है।





- 4 सितंबर-पाकिस्तान बनाम यूएई
- 5 सितंबर-अफगानिस्तान बनाम यूएई।

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 में अब तक मिले-जुले प्रदर्शन के बाद पुरानी दिल्ली को फिर एक बार लीगेटी। टीम का मुकामला यहां अगण जेटीली स्टेडियम में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से होगा। दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में पुरानी दिल्ली 6 का अभिनय 5 अगस्त को आउटर दिल्ली वॉरियर्स से 82 रनों की बड़ी हार के साथ शुरू हुआ। हालांकि टीम ने लगातार दो जीत के साथ वापसी की, जिसमें 7 अगस्त को वेस्ट दिल्ली लायंस पर 15 रनों की जीत और उसके बाद 8 अगस्त को न्यू दिल्ली टाइगर्स के खिलाफ 10 रनों की जीत शामिल रही। लेकिन, जैसे ही लय बनती दिखी टीम लगातार हार के साथ लड़खड़ा गई। टीम अगले दो मैच 10 अगस्त को नॉर्थ दिल्ली स्टार्डायर्स से 27 रन से और 12 अगस्त को ईस्ट दिल्ली वॉइडर्स से 5 विकेट से हार गई। पांच मैचों में दो से दो जीत के साथ अंर तालिका में छठे स्थान पर काबिज पुरानी दिल्ली 6 टीम अब वापसी और लय हासिल करना चाहेगी। मुकामले से पहले टीम के मालिक आकाश नागिया ने अपनी टीम पर भरोसा जताया और कहा कि हमने पिछले चार दिनों में बहुत मेहनत की है, अपनी योजनाओं को बेहतर बनाया है, छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा है और सीली मानसिकता अपनाई है।

पुरजो कोशिश की, लेकिन जबको को अशुशासित बैकलाइन और गुमीति मे सुसुतिह हाथों ने उमिट बार-बार नाकाम देसारी को दूर से एक और कलबाजी सेव को पर मजबूर कर दिया। खेल के अंतिम समय में जब श्लापानपन जादो ने पार्थिव गोली के लिए एक शानदार श्रु बॉल दाया, जिन्होंने अपना समय बनाए रहते हुए गेंद को दूर कोने में पहुंचा दिया और 4-0 का स्कोर कर जीत को पक्की कर दी। आखिरी सीटी बजने के साथ ही कूट दौड़ कोने में बोडोलेई को शानदार सफर क्राउट फाइनल में समाप्त हो गया, जबकि गत विजिता नॉर्थईस्ट यूनाटेड और खिताब को रक्षा के एक कदम और पक्का पहुंच गया। हाईलैंड्स अब 19 अमस्त को शिलंग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पिछले साल के सेमीफाइनल को पुनरावृत्ति के लिए उतरी।

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025-26 डोमेस्टिक सीजन से पहले खेल नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए नियम के तहत मल्टी डे क्रिकेट में गंभीर घोट के लिए रिप्लेसमेंट में अनुमति दी जाएगी। इस प्रावधान को गंभीर घोट रिप्लेसमेंट मान दिया गया है। हालांकि नई खेलें गए प्रमोशन-टेंडरकर ट्रांफी में भारत के विक्टरकीपर ऋषभ पंत और इंग्लैंड के क्रिस वोक्स चोटिल हो गए थे। उसी अनुभव के बाद बीसीसीआई ने यह कदम उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नया नियम मौजूदा कन्वेंशन सज्जट्टेयुप्राण प्रावधान जैसा ही होगा। इसमें किसी खिलाड़ी को गंभीर घोट लगने पर उसकी पहली उसी तरह की क्षमता वाला खिलाड़ी मैदान पर उतर सकेगा। हालांकि, यह प्रक्रिया तभी लागू होगी जब ऑन-फील्ड अंपायर और मेन रेफरी डॉक्टर से परामर्श के बाद इसे मंजूरी देंगे। एक बार रिप्लेसमेंट के बाद घायल खिलाड़ी मैच में दोबारा हिस्सा नहीं ले सकेगा। बीसीसीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस स्थिति में आंकड़ों और रिफाईंस के लिए घायल खिलाड़ी और रिप्लेसमेंट दोनों को प्रतिभागी माना जाएगा। हालांकि, यह नियम केवल मल्टी डे क्रिकेट जैसे सीके नायडू ट्रांफी पर लागू होगा।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने संन्यास लेने से पहले अचानक टेस्ट क्रिकेट से इंग्लैंड लेकर सभी को हैरान कर दिया था। यह फैसला क्रिकेट फैस के लिए चौंकाते वाला इस्लामि एन हल क्योंकि दोनों ही दिग्गज अभी इस फॉर्मेट से हटना नहीं चाहते थे। एक रिपोर्टर्स के अनुसार, रोहित और कोहली इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तैयारी में जुटे थे और इस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर बेहद उत्साहित थे। लेकिन बीसीसीआई और चयन समिति के दबाव के चलते दोनों को संन्यास का ऐलान करना पड़ा। रोहित शर्मा ने सबसे पहले इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अपने टेस्ट करियर में बीसीसीआई को प्रेजेंट करने का फैसला किया था। दो दिन बाद विराट कोहली ने बीसीसीआई को प्रेजेंट करके संन्यास लेने की इच्छा जताई और जल्द ही जॉनल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसे सार्वजनिक भी कर दिया। इन घोषणाओं के बाद क्रिकेट गलियारों में सवाल उठने लगे कि क्या

का जिम्मा किया था। इस पूरे प्रकरण पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज कर्सन घावरी ने बड़ा बयान दिया है। घावरी का दावा है कि कोहली और रोहित को बीसीसीआई की आंतरिक राजनीति और चयन समिति के फैसलों के कारण समय से पहले सस्पेंस लेना पड़ा। उनके मुताबिक, दोनों दिग्गज खिलाड़ी कम से कम कुछ और वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे।

मेसी ने व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर दौरे पर सहमति दी थी। कोलकाता से अहमदाबाद तक कोलकाता में मेसी दो दिन और एक

रात स्केंगे।' यहां उनके लिए मीट एंड एंड्रॉइड, विशेष फूड और टी फेसटिवल का प्रयास था जो ओपटी और कॉन्सर्ट का एक आयोजन होगा। इस दौरान उनका 25 फूड उंचा भित्तिचित्र भी तैयार किया जाएगा, जिस पर प्रशंसक अपने संदेश लिख सकेंगे। वहीं भित्तिचित्र उड़ने उपहार स्वस्थ दिमाग। इन्हें गाईस पर होने वाले सॉफ्ट एच मेच में सौर गांगुली, लि एंड्रॉ पेस, जॉन अब्राहम और बाईचुंग भूटिया जैसे सितारे हिट्स लेंगे। इस आयोजन के टिकट की न्यूनतम कीमत 3,500 रखी गई है। 13 दिसंबर की शाम मेसी अहमदाबादवाला फूड जाएगा, जहां वह अडाणी फंडेसिंग के कार्यक्रम में श्रम करेगे। मुंबई और दिल्ली में 14 दिसंबर को मेसी मुंबई पहुंचेंगे। यहां सोनीआ में उनका 'मीट एंड ग्रीट' होगा, जबकि शाम को वानखेड़े स्टेडियम पर जो ओपटी और कॉन्सर्ट का आयोजन होगा। इस दौरान सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, रोहित शर्मा और विरट कोहली जैसे भारतीय सितारों से उनकी मुलाकात की संभावना है। 15 दिसंबर को मेसी दिल्ली जाएंगे।

भारतीय टीम 210 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब अगले माह होने वाले एशिया कप के लिए उनके खेलने को लेकर संशय समाप्त हो गया है। भारत की मेजबानी में होने वाला एशिया कप 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इसका खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को होगा। एशिया कप अबू धाबी और दुबई में खेला जाएगा। एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को होगी।

कसान सूर्यकुमार यादव के फिट होने से भारतीय टीम ने राहत की सांस ली है। सूर्यकुमार भारती से उमर के बाद से ही भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रहिबै कर रहे थे, जहाँ उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। सूर्यकुमार अब एशिया के लिए मुंबई में होने वाली चयन समिति की बैठक में भाग लेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकार ने कहा, उन्होंने



अनुरा फिट्टर्स साविक कर दी है और एशिया का संतर्भर को खेलेगा। इसे बाद 14 हलतकार को भारतीय टीम पाकिस्तान से खेलेगा इसलिए इस्सु मैच का काफी विरोध भी हो रहा है जिससे इसपुल संयोग के बालू छ गये हैं। भारतीय टीम को एशिया का मैच में पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के साथ गुप-ए में रखा गया है। वहीं गुप-ए में हांगकांग, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान को टीमें हैं।

सितंबर को खेलेंगी। इसे बाद 14 सितंबर को भारतीय टीम पाकिस्तान से खेलेंगी हालांकि इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है जिससे इस संशय के बादल छा गये हैं। भारतीय टीम को एशिया कप में पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के साथ ग्रुप-ए में रखा गया है। वहीं ग्रुप-बी में हांगकांग, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने संन्यास लेने से पहले अचानक टेस्ट क्रिकेट से इंग्लैंड लेकर सभी को हैरान कर दिया था। यह फैसला क्रिकेट फैस के लिए चौंकाते वाला इस्लामि एन हल क्योंकि दोनों ही दिग्गज अभी इस फॉर्मेट से हटना नहीं चाहते थे। एक रिपोर्टर्स के अनुसार, रोहित और कोहली इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तैयारी में जुटे थे और इस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर बेहद उत्साहित थे। लेकिन बीसीसीआई और चयन समिति के दबाव के चलते दोनों को संन्यास का ऐलान करना पड़ा। रोहित शर्मा ने सबसे पहले इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अपने टेस्ट करियर में बीसीसीआई को प्रेजेंट करने का फैसला किया था। दो दिन बाद विराट कोहली ने बीसीसीआई को प्रेजेंट करके संन्यास लेने की इच्छा जताई और जल्द ही जॉनल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसे सार्वजनिक भी कर दिया। इन घोषणाओं के बाद क्रिकेट गलियारों में सवाल उठने लगे कि क्या

दोनों खिलाड़ी वास्तव में संन्यास लेना चाहते थे या उन्हें मजबूर किया गया। इस बीच यह भी खबर आई थी कि कोहली रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलना चाहते थे और उन्होंने अपने कोच से कहा था कि इंग्लैंड दौरे पर कम से कम चार-पांच शतक बाना के लक्ष्य है। वहीं, रोहित ने भी आईपीएल ब्रेक के दौरान माइक्रो क्लब्स से बातचीत में इंग्लैंड सीरीज को लेकर अपनी तैयारी

का जिम्मा किया था। इस पूरे प्रकरण पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज कर्सन घावरी ने बड़ा बयान दिया है। घावरी का दावा है कि कोहली और रोहित को बीसीसीआई की आंतरिक राजनीति और चयन समिति के फैसलों के कारण समय से पहले सस्पेंस लेना पड़ा। उनके मुताबिक, दोनों दिग्गज खिलाड़ी कम से कम कुछ और वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे।

एक प्रकार अनुभव देश की कमान में अमेरिका, टीम जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से होने वाले अंडर-19 पुरुष वर्ल्डकप विषय कप के लिए कालोकाफर करने वाले 16वीं और अंतिम टीम बन गई है। अमेरिका ने अपने अभियान की शुरुआत कनाडा पर 65 रन की जीत के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद अमेरिका, बर्मूडा और अर्जेंटीना को हराकर एक मैच पहले ही विश्व कप मुकामालों में अमेरिकी गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छे रहा और अर्जेंटीना को हराकर 10 अंज होसल किया है जिससे भी टीम सबसे अधिक रन अमेरिका 1999 में 1999 रन बनाए जबकि नाना-सत-सत विकेट लिया। अब अमेरिका की टीम अपना अंतिम मैच अर्जेंटीना की पहले विषय कप की शीर्ष 10 टीमों को पहले ही 026 रन में हरा लिया था। इसके बाद शीर्ष कालोकाफर से टीमों को अक्सर ब्रिजलेड, भारत, आयरलैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और कालोकाफर किया है।



आज सूर्य करेंगे स्वराशि सिंह में गोचर

ज्योतिष में सौरमंडल के राजा सूर्य देव हर महीने अपनी राशि बदलते हैं। अगस्त माह में सूर्य देव 17 अगस्त की सुबह 1:41 मिनट पर कर्क राशि की यात्रा समाप्त करके अपनी स्वयं की राशि सिंह में प्रवेश कर चुके हैं। इस राशि पर ये 17 सितंबर तक गोचर करेंगे उसके बाद कन्या राशि में चले जाएंगे। सूर्य ग्रह के इस राशि परिवर्तन का शुभ-अशुभ असर सभी राशियों पर पड़ेगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य देव जगत की आत्मा के कारक हैं। धरती पर ऊर्जा का सबसे बड़ा प्राकृतिक स्रोत भी सूर्य है। ज्योतिष में सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा बताया गया है। सूर्य देव सिंह राशि के स्वामी है। ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीचराशि तथा मेष राशि में उच्चराशिगत सज़क माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरकी के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

देश-दुनिया में बड़े बदलाव

दुनिया भर में प्राकृतिक आपदा अधिक रहेगी। रियल स्टेट के करोड़ों में वृद्धि होगी। विदेशों में राजनीतिक उठापटक सत्ता परिवर्तन इत्यादि होने की संभावना। भारतीय बाजारों में अचानक तेजी आएगी और व्यापार बढ़ेगा। अचानक किसी वस्तु के दाम बढ़ेंगे और बाजार से वह वस्तु गायब होगी। होटल रेस्टोरेंट वालों के लिए बहुत ही अच्छा समय होगा। सांस्कृतिक रूप से कोई कोई विवाद या उरल पुथल होने की संभावना। व्यापार में तेजी आएगी।



देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

उपाय

भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखें। रोज गुड़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें। भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

सूर्य के सिंह राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेघ राशि

राशि के पांचवें भाव में सूर्य का भ्रमण होने से मेष राशि के जातकों को संतान से सम्बन्धित मामलों में काफी शुभफल मिल सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

वृष राशि

जातकों के लिए चतुर्थ भाव का सूर्य भूमि से लाभ दे सकता है। सुख साधन बढ़ाने के प्रयास सफल हो सकते हैं। व्यापार या नौकरी के लिए ये एक माह का समय काफी ठीक रह सकता है।

मिथुन राशि

राशि के तृतीय भाव में स्वराशि सूर्य का गोचर शुभफलदायी रहेगा। भाई बहनों से बिगड़े संबंध बन सकते हैं। आर्थिक लाभ की सम्भावना बनी रहेगी।

कर्क राशि

जातकों के लिए सिंह राशि सूर्य का भ्रमण दूसरे भाव में होने से धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक माहौल में उल्लास बना रहेगा। लेकिन कड़वी भाषा और गुस्से से बात बिगड़ सकती है।

सिंह राशि

सूर्य सिंह राशि के स्वामी हैं। इस गोचर के प्रभाव से आपको आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। समाज में

मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत में बदलाव देखने को मिलेंगे। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है।

कन्या राशि

राशि के बारहवें भाव में स्वराशि सूर्य के आने से विदेश या जन्म स्थान से दूर जाने का मौका मिल सकता है। मुकदमेबाजी या अदालती उलझनों से कुछ राहत मिल सकती है।

तुला राशि

तुला राशि के लिए सिंह राशि का सूर्य काफी लाभ लेकर आयेगा। एकादश भाव में स्वराशि सूर्य का होना आर्थिक लाभ के प्रबल संकेत दे रहा है। बिगड़े कार्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि

राशि के दशम भाव में सूर्य, मंगल और शुक्र की स्थिति बड़े सम्मान या लाभ का इशारा है। विशेषकर वृश्चिक राशि के राजनेताओं और अधिकारियों के लिए ये एक माह का समय काफी शुभ समाचार ला सकता है।

धनु राशि

जातकों के लिए भाग्य भाव का सूर्य भाग्य में बढ़ोतरी करेगा। पिता का स्वास्थ्य सुधर सकता है।

सिंह संक्रांति पर जरूर करें यह काम!

पंचांग के मुताबिक, इस बार की सिंह संक्रांति बेहद खास है क्योंकि सूर्य का यह गोचर रविवार को हुआ, जो स्वयं सूर्य देव को समर्पित दिन है। ऐसे में सिंह संक्रांति को बेहद खास माना जा रहा है। 17 अगस्त को तड़के रात 2 बजे सूर्य देव ने कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश किया।

सूर्य गोचर का प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, सूर्य देव के राशि परिवर्तन से मेष, सिंह, तुला और वृश्चिक राशि वालों को लाभ मिलेगा। यह संक्रांति इन 4 राशि वालों के लिए सौभाग्यपूर्ण रहेगा। वहीं, सूर्य के सिंह राशि में गोचर करने से मिथुन, कन्या, मकर और मीन राशि वालों को नुकसान हो सकता है। ऐसे में इन 4 राशि वालों को सूर्य गोचर के दौरान सतर्क रहने का जरूरत है।

सिंह संक्रांति पर क्या करें

धार्मिक मान्यता के अनुसार, सिंह संक्रांति पर ग्रहों के राजा सूर्य देव की पूजा, मंत्र जाप और दान करना बहुत पुण्यदायी माना गया है। इस दिन लाल रंग के फूल, तांबा, गुड़, गेहूं और मसूर दाल का दान करना शुभ और लाभकारी होता है। साथ ही, सिंह संक्रांति के दिन 'ॐ आदित्याय नमः' या 'ॐ भास्कराय नमः' मंत्र का जाप करने से सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है।

दूरस्थ यात्राओं से मानसिक तनाव रहेगा।

मकर राशि

जातकों के लिए आठवें भाव में स्वराशि सूर्य चिंताएं बढ़ा सकता है, लेकिन अचानक धन लाभ के प्रबल योग रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में तनाव की स्थिति रह सकती है।

कुम्भ राशि

जातकों के लिए सातवें भाव में स्वराशि सूर्य के आने से नौकरी के लिए शुभ रहेगा। लेकिन दाम्पत्य जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। साझेदार से बिगड़े संबंध प्रयास करने से सुधर सकते हैं।

मीन राशि

राशि के जातकों के लिए छठे भाव का सूर्य सामाजिक प्रभाव बढ़ायेगा। नौकरी चाहने वालों के लिए ये एक माह का समय काफी शुभ रह सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कर्ज मुक्ति होने की संभावना भी बनी रहेगी।

भाद्रपद अमावस्या को पिठोरी अमावस्या क्यों कहते हैं? जानिए क्यों खास है यह दिन



हर महीने में पड़ने वाली अमावस्या का अपना महत्व होता है, लेकिन भाद्रपद माह में आने वाली अमावस्या को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। इसे पिठोरी अमावस्या, भादो अमावस्या या कुश ग्रहणी अमावस्या के नाम से भी माना जाता है। इस साल 2025 में भाद्रपद अमावस्या दो दिन पड़ रही है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपनी संतान की लंबी उम्र और खुशहाल जीवन के लिए व्रत रखकर देवी पार्वती और 64 योगिनियों की पूजा करती हैं। पिठोरी अमावस्या के दिन स्नान, दान और पितरों के निमित्त पिंडदान करना बहुत ही लाभकारी होता है।

पिठोरी अमावस्या कब है?

पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 22 अगस्त को सुबह 11:55 बजे शुरू होगी, जो कि 23 अगस्त की सुबह 11.35 बजे समाप्त होगी। ऐसे में पिठोरी अमावस्या का व्रत 22 अगस्त को रखना शुभ होगा। वहीं, भादो अमावस्या का स्नान-दान 23 अगस्त को किया जाएगा।

भादो अमावस्या को पिठोरी अमावस्या क्यों कहते हैं?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भाद्रपद अमावस्या को पिठोरी अमावस्या इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस दिन 64 योगिनियों और देवी पार्वती की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन मां पार्वती ने 64 योगिनियों के साथ मिलकर भगवान गणेश की पूजा की थी। इसी वजह से इसे पिठोरी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। पिठोरी शब्द का मतलब है आटे की मूर्तियां। इसी कारण इस दिन महिलाएं आटे से 64 योगिनियों की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा करती हैं।

देवी पार्वती का आशीर्वाद

ऐसी मान्यता है कि इस दिन आटे से योगिनियों की मूर्तियां बनाकर पूजा करने से देवी पार्वती प्रसन्न होती हैं और महिलाओं को संतान सुख का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। इसके अलावा, इस दिन पितरों का तर्पण और श्राद्ध करने का भी विधान बताया गया है।

इसलिए कहते हैं कुश ग्रहण अमावस्या

पिठोरी अमावस्या को कुश ग्रहणी अमावस्या भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन कुशा घास का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन एकत्रित की गई कुशा बहुत पवित्र और लाभकारी होती है। पिठोरी अमावस्या पर कुशा से पितरों के निमित्त तर्पण करने से परिवार में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

भाद्रपद अमावस्या का क्या महत्व है?

भाद्रपद अमावस्या या पिठोरी अमावस्या पितृ तर्पण, श्राद्ध और दान-पुण्य के लिए विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है। इस दिन पितरों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जाती है और उनका आशीर्वाद पाने के लिए विभिन्न अनुष्ठान भी किए जाते हैं, जिससे वे अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं।

स्नान और दान:- भादो अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान करना और दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इससे व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है।

कुश ग्रहण:- भाद्रपद अमावस्या को कुश ग्रहण करने का भी विधान है। इस दिन कुश का इस्तेमाल धार्मिक कार्यों, जैसे पूजा, श्राद्ध और तर्पण में किया जाता है।

कालसर्प दोष निवारण:- धार्मिक मान्यता के अनुसार, भादो अमावस्या के दिन कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए भी पूजा की जाती है।

पिठोरी अमावस्या पर क्या करें?

पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान करें।

गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करें।

इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान-पुण्य करें।

पिठोरी अमावस्या पर कुश ग्रहण करें।

इस दिन भगवत गीता का पाठ करें।

अपने सामर्थ्य अनुसार गरीबों को भोजन कराएं।

सपने में बहुत सारे कुत्ते देखना किस बात का संकेत देता है?

सपने में कुत्ते का दिखना, शुभ और अशुभ दोनों हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने सपने में कुत्ते को कैसे देखा है। अक्सर लोगों को सपने में कुत्ते का झुंड दिखाई देता है, जो एक खास संकेत माना जाता है।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में कुत्तों का झुंड देखने के कई मतलब हो सकते हैं। यह सपना आपके जीवन में दोस्ती, वफादारी, सुरक्षा या आपसी संघर्ष का संकेत दे सकता है। सपने में कुत्तों का झुंड देखना



आपके जीवन में मजबूत रिश्तों और सामाजिक संबंधों की जरूरतों की तरफ इशारा करता है।

सपने में बहुत सारे कुत्ते देखने का मतलब है कि यह सपना आपके जीवन में सुरक्षा और सुरक्षा की भावना का प्रतीक है। यह सपना संकेत देता है कि आप अपने समय बिताने या अपने रिश्तों को सुधारने की जरूरत है। अगर आपने सपने में बहुत सारे काले कुत्ते देखे हैं या सपने में बहुत सारे कुत्ते भौकते हुए देखे हैं, तो इसका मतलब है कि आपको अपने कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा वरना आपके लिए वे परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

सतर्क रहने की जरूरत है।

सपने में कुत्तों का झुंड देखना आपके परिवार और रिश्तों पर ध्यान देने की आवश्यकता का भी संकेत दे सकता है। इसका मतलब है कि शायद आपको अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने या अपने रिश्तों को सुधारने की जरूरत है। अगर आपने सपने में बहुत सारे काले कुत्ते देखे हैं या सपने में बहुत सारे कुत्ते भौकते हुए देखे हैं, तो इसका मतलब है कि आपको अपने कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा वरना आपके लिए वे परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

भगवान का सुदर्शन चक्र कैसे बना दिव्य अस्त्र और क्यों है अनंत शक्ति का प्रतीक?



सुदर्शन चक्र केवल एक अस्त्र नहीं बल्कि भगवान विष्णु की अनंत शक्ति और दिव्यता का प्रतीक है। पुराणों और शास्त्रों के अनुसार, इसका भगवान ब्रह्मा ने निर्माण किया और भगवान विष्णु को प्रदान किया। इसकी रचना में केवल भौतिक तत्व नहीं बल्कि उच्चतम आध्यात्मिक ऊर्जा और ब्रह्मांडीय संतुलन की शक्ति भी समाहित है।

सुदर्शन चक्र न केवल भगवान विष्णु का दिव्य अस्त्र है, बल्कि यह धर्म, न्याय और शक्ति का प्रतीक भी है। यह चक्र न केवल असुरों और पापों का नाश करता है, बल्कि धर्म की रक्षा और भक्तों की रक्षा में भी सर्वोच्च माना जाता है। सुदर्शन चक्र का गोलाकार स्वरूप अनंतता, निरंतर गति और न्याय की स्थिरता को दर्शाता है।

विश्वकर्मा की दिव्य कला

पुराणों के अनुसार, यह चक्र देवशिल्पी विश्वकर्मा द्वारा निर्मित किया गया था। सूर्य देव की तेजस्विता इतनी अधिक थी कि उनका ताप सभी प्राणियों के लिए चुनौतीपूर्ण था। विश्वकर्मा ने सूर्य के तेज का कुछ हिस्सा अवशोषित कर उसे गढ़कर कई दिव्य अस्त्र बनाए। इनमें सबसे प्रमुख और शक्तिशाली अस्त्र था सुदर्शन चक्र। इसे भगवान विष्णु को समर्पित किया गया ताकि वह धर्म की रक्षा और अधर्म का नाश कर सकें।

भगवान शिव का वरदान

कई पुराणों में वर्णन है कि जब देवताओं और दैत्यों का युद्ध भयंकर हो

गया, तो देवताओं ने भगवान शिव की आराधना की। शिवजी प्रसन्न हुए और उन्होंने विष्णु को यह दिव्य चक्र प्रदान किया। कहा जाता है कि यह केवल शत्रु नाश करने का अस्त्र नहीं, बल्कि समय, गति और ब्रह्मांडीय न्याय का प्रतीक है।

सुदर्शन का अर्थ और शक्ति

सुदर्शन का शाब्दिक अर्थ है शुभ-दर्शन। यह चक्र न केवल गोलाकार और तेजस्वी है, बल्कि इसमें 108 धाराएँ हैं, जो इसे ब्रह्मांड के हर कोने तक पहुँचने वाला बनाती हैं। इसे भगवान की कृष्ण लीला और मोहक शक्ति का प्रतीक भी माना जाता है।

महाभारत और अन्य कथाओं में उपयोग

महाभारत में भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र का प्रयोग कई महत्वपूर्ण घटनाओं में किया। सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है शिशुपाल वध, जहाँ उन्होंने चक्र से शिशुपाल का संहार किया। इसके अलावा, जयद्रथ वध में भी यह चक्र निर्णायक साबित हुआ। पुराणों में इसे विष्णु का मुख्य शस्त्र और ब्रह्मांडीय न्याय का संचालनकर्ता कहा गया है।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

सुदर्शन चक्र केवल युद्ध का साधन नहीं है। यह धर्म की रक्षा, समय का संतुलन और न्याय का प्रतीक है। वैदिक ग्रंथों में इसे आशीर्वाद और दिव्य शक्ति का प्रतिनिधि बताया गया है। भक्ति और श्रद्धा से पूजा करने पर कहा जाता है कि यह भक्तों को अधर्म से बचाता है और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

बॉलीवुड में बसती है घोस्ट राइटर्स की एक गुमनाम दुनिया! मजबूरी में बड़े-बड़े दिग्गज कर चुके हैं हुनर का सौदा

सिनेमा... एक ऐसी दुनिया जहां के भगवान हर शुक्रवार को बदल जाते हैं। नई-नई फिल्में रिलीज होती हैं। नए-नए स्टार्स बनते हैं। इनमें से कई बॉक्स ऑफिस पर कमाई कोहराम मचाते हैं, तो कई दिलों को छू जाते हैं। पर्दे पर रूप-रंग, संगीत और चमक-दमक की दुनिया में एक कुनबा उनका भी है, जो पर्दे पर पीछे होते हैं, लेकिन उनके बिना दर्शकों के दिल तक जाने की कल्पना नहीं की जा सकती। यह कुनबा है, फिल्म के राइटर्स की। वो जो किसी फिल्म के लिए उसकी आत्मा यानी कहानी, स्क्रीनप्ले और गाने तैयार करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिनेमा के समंदर में उन लेखकों की भी एक जमात है, जो गुमनाम हीरोज होते हैं। ये वो हैं, जो मजबूरी में अपने हुनर का सौदा करते हैं। ये दुनिया है घोस्ट राइटर्स की। जो पसीना तो अपना बहाते हैं, लेकिन उसकी कमाई यानी कि नाम कोई और खा रहा होता है। बॉलीवुड के ऐसे ही घोस्ट राइटर्स की। एक पड़ना, उन कलम के जादूगरों के बारे में, जिनमें बॉलीवुड के कई दिग्गजों के नाम भी शामिल हैं।

दरअसल, बॉलीवुड में लेखकों, गीतकारों और संगीतकारों को उनका हक न मिलना कोई नई बात नहीं है। कई बार तो सीधे - सीधे घोस्ट राइटिंग वाला मामला होता है। घोस्ट राइटिंग का मतलब होता है किसी और के लिए लिखना, बिना अपने नाम का इस्तेमाल किए। एक घोस्ट राइटर वह व्यक्ति होता है, जो किसी और के नाम से कंटेंट (कहानी, गाना, स्क्रिप्ट आदि) तैयार करता है, लेकिन उसका श्रेय उस व्यक्ति को मिलता है, जिसके लिए वह कंटेंट लिखा गया है। असली लेखक का नाम कभी सामने नहीं आता। हमने इंडस्ट्री की जानी-मानी हस्तियों से बात की, जानना चाहा कि आखिर किन हालातों में होती है घोस्ट राइटिंग।

आज अचानक घोस्ट राइटर की बात क्यों?

आप सोच रहे होंगे कि आज अचानक घोस्ट राइटर्स का जिफ्र क्यों? दरअसल, बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई 'सैयारा' में हमने घोस्ट राइटिंग की झलक देखी। मोहित सूरि ने अपनी फिल्म में इसका मुद्रा एक सीन के जरिए उभारा है। जहां गाना कोई और लिख रहा है, लेकिन नाम किसी और का हो रहा। रील से परे रियल दुनिया में यह सच्चाई कहीं ज्यादा गहरी है। स्क्रीन पर गुंजते डायलॉग्स और हिट गीतों के पीछे अक्सर ऐसे रचनाकार होते हैं, जिन्हें न नाम मिलता है, न पहचान। ये हैं घोस्ट राइटर, जो किसी और के लिए लिखते हैं और गुमनाम रहते हैं। लेकिन आखिर वो ऐसा क्यों करते हैं?

सैयारा की कहानी एक ऐसे गायक की है, जो शुरुआत में अपने गानों में नाम न दिए जाने पर जमकर हंगामा करता है। लेकिन कहानी में एक ऐसा मोड़ भी आता है, जब वह मजबूरीशय अपने गीतों के लिए क्रेडिट न मिलने के बावजूद चुप रह जाता है। यह बदलाव फिल्म में बेहद संवेदनशील तरीके से, बीते हुए दृश्यों के माध्यम से दर्शाया गया है। गौरतलब है कि इस फिल्म के वही गाने, जो अब ब्लोबल चार्ट्स में अपनी जगह बना चुके हैं, उनके कंपोजर तनिष्क बागची ने भी हाल ही में एक पोस्टर के जरिए इस बात पर नाराजगी जाहिर की कि फिल्म के पोस्टर में संगीतकारों को उचित श्रेय यानी क्रेडिट नहीं दिया गया।

घोस्ट राइटर हमेशा से बॉलीवुड के गलियारों में मौजूद रहा है, कभी जरूरत में, कभी समझौते में, तो कभी जानबूझकर खुद को पर्दे के पीछे रखकर। हिंदी सिनेमा के भात कुमार कहे जाने वाले अभिनेता-निर्देशक-लेखक मनोज कुमार ने अपने संघर्ष के दिनों में कई फिल्मों के लिए घोस्ट राइटिंग की थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया था, वो मेरे संघर्ष के दिन थे। मैं रणजीत स्टूडियो में राइटिंग का काम करता था। उस वक्त मुझे एक सीन के 11 रुपये मिलते थे। हफ्ते में 5-6 सीन मिल जाते थे, और



60-70 रुपये का इंतजाम हो जाता था।

मनोज कुमार बताते हैं कि एक बार निर्देशक रमेश सहगल अभिनेता अशोक कुमार के लिए सीन को लेकर परेशान थे। उन्होंने काह, 'मैंने लिखने की पेशकश की तो पहले हंसी में उड़ा दिया गया, मगर बार मजबूरी आई, तो मुझे मौका मिला। अशोक कुमार को मेरा लिखा सीन इतना पसंद आया कि उन्होंने शगुन के तौर पर 11 रुपये दिए। मैंने उनके घर छुए और तभी से मेरा नाम बना शुरू हुआ। हीरो बनने से पहले मैंने कई फिल्मों के लिए घोस्ट राइटिंग की।

घोस्ट राइटिंग का यह चलन सिर्फ डायलॉग्स तक सीमित नहीं रहा। मशहूर शायर जां निसार अख्तर के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने लंबे समय तक लोकप्रिय गीतकार साहिर लुधियानवी के लिए गाने लिखे, बिना किसी क्रेडिट के। यह वह दौर था जब साहिर का नाम इंडस्ट्री में ब्रांड बन चुका था और वे जां निसार अख्तर को हर महीने दो हजार रुपये दिया करते थे, बस अपने नाम से लिखवाने के लिए। मैंने प्यार किया के लिए गाने लिखने वाले प्रसिद्ध शायर असद भोपाली के बेटे और फिल्म राइटर गालिब असद भोपाली बताते हैं, 'मेरे पिताजी जरूरत के समय मामूली पैसों के लिए सावन कुमार टाक और प्रकाश मेहरा जैसे निर्माताओं को बिना किसी क्रेडिट की मांग किए गानों के मुखड़े दे देते थे। बाद में वही मुखड़े उनके गानों में सुनाई देते थे।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रतिष्ठित लेखक जोड़ी सलीम-जावेद के बारे में एक किस्सा आज भी खूब चर्चा में रहता है। जब उनकी सुपरहिट फिल्म 'जंजीर' रिलीज हुई, तो उन्होंने खुद ब्रश उठाकर पोस्टरों पर पेंट से लिखावाया, 'Written by Salim-Javed' यह उनकी उस ज़िद का प्रतीक था, जो लेखकों को उनका हक दिलाने की दिशा में एक मजबूत कदम बन गया, क्योंकि उससे पहले पोस्टरों पर लेखकों का नाम नहीं जाता था। मगर विडंबना देखिए कि यही जोड़ी, जिसने लेखकों को नई पहचान दी, वह भी घोस्ट राइटिंग की चपेट से अछूती नहीं रही।

एंथ्री यंग मैन डॉक्यूमेंट्री शो के लॉन्च के दौरान जावेद अख्तर ने खुद यह स्वीकार किया कि उन्होंने और सलीम खान ने फिल्म (अधिकार) के लिए घोस्ट राइटिंग की थी और बदले में उन्हें 5,000 रुपये मिले थे। यह चलन आज भी जारी है।

प्रसिद्ध लेखक-निर्देशक अनुराग कश्यप ने खुलकर स्वीकार किया कि उन्होंने टीवी शो क्या सीन है के लिए बतौर घोस्ट राइटर काम किया था। वह बताते हैं, मैं चप्पल पहनकर आता

था, इसलिए ऑफिस के अंदर नहीं जाता था। बस बाहर बैठकर चुपचाप डायलॉग्स लिखता था, एक घोस्ट राइटर की तरह।' यह महज कुछ नाम हैं, जो सामने आए हैं। लेकिन इंडस्ट्री में ऐसे अनगिनत कलमकार हैं, जो आज भी पर्दे के पीछे अपनी पहचान छिपाकर किसी और की चमक के लिए शब्द बुनते हैं।

घोस्ट राइटिंग को अक्सर लेखक के शोषण के रूप में देखा जाता है। एक ऐसी व्यवस्था, जिसमें रचनात्मक श्रेय किसी और को मिल जाता है और असली लेखक पर्दे के पीछे रह जाता है। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री की जमीन पर यह तस्वीर कहीं अधिक जटिल है। कई बार यह लेखन एक समझौते के तहत होता है। 'भूल भुलैया' जैसी हिट फिल्म के निर्देशक अनीस बज्जी इस बारे में बेहद ईमानदारी से अपनी कहानी साझा करते हैं। अनीस बज्जी बताते हैं, 'मैंने 6-7 फिल्मों के लिए घोस्ट राइटिंग की है, लेकिन यह हमारी आपसी अंडरस्टैंडिंग के तहत हुआ। वो मेरे संघर्ष के दिन थे। मुझे पैसों की सख्त जरूरत थी, घर का किराया भरना था, बच्चों की स्कूल फीस जमा करनी थी। हां, मैंने कई बड़ी फिल्मों के लिए बिना क्रेडिट के काम किया। और मैंने आज तक उन फिल्मों का नाम नहीं लिया, क्योंकि मैंने वादा निभाया।

अनीस आगे कहते हैं, मगर एक दिन मेरे सन्न का बांध टूट गया। मैंने डेविड धवन की फिल्म 'स्वर्ग' लिखी, जिसमें राजेश खन्ना, गोविंदा और जूही चावला जैसे सितारे थे, तो यह फिल्म डेविड की पिछली फ्लॉप 'आग का गोला' के बाद उनके करियर को नई ऊंचाई देने वाली साबित हुई। जब मैंने देखा कि पोस्टर पर मेरा नाम नहीं है, तो मैं अंदर से टूट गया। फिर मैंने अपने नाम के स्टिकर छपवाए और खुद जाकर पोस्टर पर चिपकाने लगा। आज भी मुझे वो पल याद है, जब मैं पोस्टर देख रहा था और सोच रहा था कि अपना नाम कहां चिपकाऊं।

घोस्ट राइटिंग से आसान हो जाता है बॉलीवुड में एंट्री का रास्ता?

बॉलीवुड में घोस्ट राइटिंग को लेकर अक्सर यह सवाल उठता है, क्या यह हमेशा मजबूरी, आर्थिक तंगी या समझौतों का परिणाम होती है? इस पर जाने-माने लेखक-निर्देशक उमेश शुक्ला खुलकर कहते हैं, 'नहीं, हमेशा पैसा ही वजह नहीं होता। कई बार आप अपनी लेखनी को संवारना चाहते हैं, इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना चाहते हैं। मैं अपनी बात करू तो मैंने 'हेरा फेरी', 'फिर हेरा फेरी', 'जोश', 'बादशाह', 'हंगामा', 'मालामाल वीकली', 'डोली सजा के रखना' जैसी कई फिल्मों के लिए घोस्ट राइटिंग की। इन फिल्मों के क्रेडिट में नाम नीरज वोरा का था, लेकिन बतौर लेखक मेरी असल ग्रोथ वहीं से शुरू हुई। नीरज जी से बहुत कुछ सीखने को मिला। जब वे व्यस्त होते, तो मुझे एक्टर्स को सीन नोट करने का मौका मिलता और वो मेरे लिए बेहद रोमांचक होता।'



महावतार नरसिम्हा की 200 करोड़ के क्लब में शामिल

वॉर 2 और कुली के खोफ की उड़ाई धज्जियां वहीं सैयारा फीकी पड़ गई

महावतार नरसिम्हा इस समय बॉक्स ऑफिस पर किसी जादू से कम नहीं है। यह फिल्म हर दिन करियमा कर रही है और सबको चौंका रही है। जहां कृतिक रोशन और जूनियर एनटीआर स्टारर वॉर 2 के सामने अन्य फिल्ममेकर्स अपनी फिल्में रिलीज करने से कतरा रहे हैं, वहीं 'महावतार नरसिम्हा' अपने नाम का डंका पीट रही है। वॉर 2 जैसी 400 करोड़ी बजट की फिल्म के आगे भी इसने घुटने टेकने से इनकार कर दिया। यह फिल्म 23 दिनों में ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है, और हर दिन 6-7 करोड़ कमा रही है। वहीं, सैयारा की कमाई लाखों में सिमट गई है। इसे रिलीज हुए तीस दिन हो चुके हैं।

महावतार नरसिम्हा एक एनिमेशन फिल्म है, जिसमें भक्त प्रह्लाद, हिरण्यकश्यप और भगवान नरसिंह की कहानी है, और इसने दर्शकों के साथ इस कदर कनेक्ट किया है कि अब यह 23 दिन बाद सैयारा से भी कई गुना अधिक कमा रही है। और तो और यह रजनीकांत की कुली और कृतिक रोशन-जूनियर एनटीआर की वॉर 2 के बीच भी डटकर टिकी हुई है। महावतार नरसिम्हा का बजट 40 करोड़ रुपये है, इसने 23 दिन में 202.35 करोड़ का कलेक्शन कर लिया

है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इसने 178.85% की बढ़त दिखाई थी और 7.25 करोड़ कमाए थे। दिलचस्प बात ये है कि यह फिल्म हर दिन 5 करोड़ से अधिक कमा रही है। इसकी सबसे ज्यादा कमाई हिंदी में हो रही है। 'महावतार नरसिम्हा' ने 16वें-17वें दिन तो 20.5 से 23.5 करोड़ तक की कमाई की। वहीं, जहां 23वें दिन सैयारा सिर्फ 3.75 करोड़ ही कमा पाई थी, वहीं 'महावतार नरसिम्हा' 6.75 करोड़ कमाए। महावतार नरसिम्हा इंडिया में 202.35 करोड़ का नेट कलेक्शन कर चुकी है, और वर्ल्डवाइड इसने 257 करोड़ का कारोबार कर लिया है। महावतार नरसिम्हा 25 जुलाई को रिलीज हुई थी, और पहले हफ्ते में इसने 44.75 करोड़ रुपये, दूसरे हफ्ते में 73.4 करोड़ और तीसरे हफ्ते में 70.2 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म का ट्रेंड कमाल का है और दो बड़ी फिल्में 'कुली' और 'वॉर 2' की रिलीज भी इसकी कमाई पर कोई खास असर नहीं डाल पाई। हालांकि, गुरुवार, 14 अगस्त को इनके रिलीज होने से 'महावतार नरसिम्हा' की कमाई थोड़ी डगमगाई और सिर्फ 2.6 करोड़ ही कमा पाई। लेकिन अगले ही दिन इसने 178.85% की बढ़त दिखाते हुए तगड़ा जंप लगाया और 7.25 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं, अनीत पड्डा और अहान पांडे की 'सैयारा' अब लाखों में सिमट चुकी है। रिलीज के 24वें दिन इसने 4 करोड़ रुपये कमाए थे, पर 25वें दिन यह धम्म से गिरी और सिर्फ 1.35 करोड़ ही कमा सकी। इसके बाद से कमाई हर दिन गिरती चली गई और 'सैयारा' लाखों में सिमटकर 30वें दिन 57 लाख रुपये पर आ गई। इसने सबसे कम कमाई 28वें दिन की थी, और सिर्फ 20 लाख का ही कलेक्शन कर पाई।

बिग बॉस 19 में बड़े राज खोलेगी शफक नाज

हत्यारे की बहन का लगा था ठप्पा, सलमान के शो में हुई एंट्री!

सलमान खान बिग बॉस के नए सीजन के साथ टीवी पर लौट रहे हैं। यह नया सीजन यानी बिग बॉस 19 24 अगस्त को प्रीमियर होगा, जिसके लिए कई सिलेब्रिटीज को अप्रोच किया गया है। हालांकि, अभी तक सिर्फ अशनूर कोर, गौरव खन्ना और बसीर अली को कन्फर्म कंटेस्टेंट्स बताया जा रहा है। इसी बीच एक और हसीना का नाम सामने आया है, जिसे सलमान के शो के लिए कन्फर्म बताया जा रहा है। इस हसीना का अपने परिवार से तगड़ा विवाद रहा है, पर यह टीवी की दुनिया में जाना-माना नाम है। पहचाना हम किसकी बात कर रहे हैं? इस एक्ट्रेस ने एकता कपूर के सीरियल महाभारत में कुंती का किरदार निभाया था, और फिर चिड़िया घर में मयूरी के किरदार से दर्शकों की चहेती बन गई। और तो और इस एक्ट्रेस की बहन भी एक जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस हैं और बिग बॉस ओटीटी में नजर आ चुकी है। इस एक्ट्रेस का नाम है शफक नाज, जो फलक नाज और शीजान खान की बहन हैं। बिग बॉस की हर अपडेट देने वाले द हैंडल बिग बॉस तक ने जानकारी दी है कि शफक नाज बिग बॉस 19 में नजर आएंगी। उनका नाम सलमान के शो के लिए कन्फर्म है।

शफक नाज एक पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस और कथक डांसर हैं। उन्होंने साल 2010 में टीवी शो सपना बाबुल का- बिदाई से एक्टिंग करियर शुरू किया था। इसके बाद वह अदालत, क्राइम पेट्रोल और फियर फाइल्स जैसे शोज में दिखाईं। शफक के करियर में महाभारत टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जिसमें वह कुंती का किरदार निभाकर चर्चा में आईं। शफक नाज बॉलीवुड में भी काम कर चुकी हैं। वह साल 2017 में आई फिल्म गेस्ट इन लंदन में नजर आई थीं। इसके अलावा वह फिल्म एक्स और वाय में दिखाईं, जो 2022 में ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई।

शफक नाज भाई-बहन और मां संग बिगड़े रिश्तों के कारण भी सुर्खियों में रही हैं। कई साल से उनका फलक, शीजान खान और मां संग रिश्ता चर्चा में रहा है। हालांकि, जब टुनिशा शर्मा के सुसाइड केस में शीजान खान फंसे, तो शफक का पूरा परिवार संग अच्छा रिश्ता था। उस मुश्किल घड़ी में तीनों भाई-बहन एकजुट खड़े रहे, पर बाद में एक बार फिर उनके बीच खटास आ गई थी। कुछ महीने पहले शीजान खान और फलक नाज ने बहन शफक

नाज पर गुस्सा निकाला और बताया कि एक्ट्रेस ने उनसे रिश्ता तोड़ लिया है। जब मां बीमार थीं और अस्पताल में भर्ती थीं, तो शफक नाज उनसे मिलने भी नहीं गईं। शीजान खान ने कहा था कि शफक नाज उनके और परिवार की नजरों में गिर गई हैं।

वहीं, शफक नाज ने एक बार बताया था कि जब भाई शीजान जेल में बंद था, तो लोगों ने उन्हें हत्यारे की बहन बुलाना शुरू कर दिया था। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें गालियां देते और कोसते थे। शफक ने इसे भयानक सपने जैसा बताया था।

शफक नाज अपनी लव लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहीं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्होंने कुछ महीनों तक एक्टर अविनाश सचदेव को डेट किया था। शफक के मुताबिक, यह साल 2012 की बात है। तब दोनों तेरी मेरी लव स्टोरीज में साथ काम कर रहे थे। हालांकि, अविनाश सचदेव ने शफक संग लिंकअप या किसी तरह के रिलेशनशिप

से इनकार किया था।

शफक नाज की फिर मस्कट के रहने वाले एक बिजनेसमैन से सगाई हुई थी, पर यह 2023 में टूट गई। शफक नाज इस बिजनेसमैन को तीन साल से डेट कर रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि कुछ पारिवारिक कारणों से उनकी सगाई टूटी। कुल मिलाकर, शफक नाज की निजी जिंदगी में खूब उथल-पुथल और विवाद रहे हैं। अब जब वह बिग बॉस 19 में आएंगी, तो जाहिर है कई दिलचस्प खुलासे होंगे और काफी राज बाहर आएंगे।



बिहार बदलाव यात्रा में प्रशांत किशोर बोले-

युवाओं को रोजगार, बुजुर्गों को पेंशन और बच्चों को मुफ्त शिक्षा

दरभंगा (एजेंसियां)।

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत समस्तीपुर जिले के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के बिधान स्थित गांधी मैदान में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद प्रमुख लालू यादव के परिवार पर निशाना साधा।

प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के लोगों ने पीएम मोदी को मंदिर और नीतीश कुमार को जाति के नाम पर वोट दिया, लेकिन इसके बावजूद युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने बताया कि बिहार के कई युवा इंटर, ग्रेजुएशन पास होने के बावजूद नौकरी नहीं पा रहे हैं और गुजरात-महाराष्ट्र में मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि लोग 56 इंच सीना दिखाने के



लिए वोट देते हैं, लेकिन उनके अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित नहीं है। उनके अनुसार, कोई नेता आपके बच्चों की चिंता नहीं करेगा, इसलिए लोगों को अपने बच्चों के भविष्य के लिए ही निर्णय लेना चाहिए।

उन्होंने लालू परिवार का

उदाहरण देते हुए कहा कि लालू जी का बेटा 9वीं पास भी नहीं है, लेकिन सत्ता चाहता है, जबकि बिहार के पढ़े-लिखे बच्चे नौकरी नहीं पा रहे। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने समस्तीपुर की जनता को बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि अगर जन सुराज की व्यवस्था

वाली सरकार बनी तो छठ के बाद बिहार के युवाओं को मजदूरी करने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें यहीं बिहार में ही 10-12 हजार रुपये का रोजगार मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला

को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी।

इसके अलावा, जब तक सरकारी विद्यालयों में सुधार नहीं होगा, 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाने और उनकी फीस भरने की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी ताकि गरीब बच्चे भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सकें।

प्रशांत किशोर ने जनता से अपील की कि अगली बार वोट अपने बच्चों के भविष्य के लिए दें और उन नेताओं को न चुनें जो केवल अपने स्वार्थ के लिए जनता के संसाधनों का उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में जनता का राज स्थापित करने के लिए नेताओं के चेहरे देखकर वोट नहीं देना चाहिए, बल्कि बच्चों की शिक्षा और रोजगार को प्राथमिकता देनी चाहिए।

संतोष सुमन का तंज : राहुल गांधी हैं कांग्रेस के बिगड़े शहजादे

बिहार में नहीं होगा कोई असर

बोधगया (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन ने रविवार को बाबा दशरथ मांझी की 18वीं महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस के बिगड़े शहजादे हैं और उनके बोलने व व्यवहार करने का तरीका अजीब है। संतोष सुमन ने कहा कि राहुल गांधी ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे वे देश के प्रवक्ता नहीं बल्कि किसी अन्य देश के हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनके सहयोगी वोटर वेरीफिकेशन को लेकर भ्रम फैला रहे हैं और जनता में मतों की गिनती को लेकर डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

मंत्री ने कहा, 'चुनाव आयोग

एक बड़ी संस्था है। हमारे 100 करोड़ मतदाता हैं। वोटर वेरीफिकेशन का काम सिर्फ वृत्तियों को सुधारने के लिए है। कोई भी

और प्रधानमंत्री के बारे में भी उन्होंने माफी मांगी।' संतोष सुमन ने आगे कहा कि राहुल गांधी के बिहार आने से



मत कटा नहीं है। कोई व्यक्ति दो जगह दर्ज है तो उसमें सुधार हो रहा है, मृतक मतदाता का नाम अभी भी है तो उसमें सुधार हो रहा है। इसे वोट चोरी बताना भ्रम फैलाना है।

उन्होंने राहुल गांधी के पिछले व्यवहारों का हवाला देते हुए कहा कि 'असंवैधानिक भाषा बोलना और अपनी गलतियों में क्षमा मांगना उनका काम है। राफेल मामले में लिखित माफी मांगी

कोई असर नहीं पड़ेगा। 'हमारे राज्य की जनता एनडीए और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भरोसा करती है। आने वाले 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए 200 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। राहुल गांधी के मंसूबों पर पानी फिरेगा।' उन्होंने उठते कि ज्ञान की भूमि बोधगया में आने से राहुल गांधी को ज्ञान जरूर मिलेगा, लेकिन इसका लाभ उन्हें 10-15 साल बाद हो सकता है।

सीतामढ़ी में दोहरे हत्याकांड से दहशत

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी जिले के बथनाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोइली गांव रविवार को दोहरी हत्या की वारदात से सहम उठा। गांव के सरेह से दो युवकों की लाश बरामद होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बथनाहा थाना अध्यक्ष धनंजय चौधरी और एडिशनल एसपी आशीष आनंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने मृतकों की पहचान भलहा गांव निवासी राजेश पासवान, पुत्र रामदेव पासवान, और कोइली गांव निवासी दिलीप कुमार के रूप में की है। दोनों युवकों की अचानक मौत की खबर मिलते ही उनके परिजनों में



कोहराम मच गया। परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और रो-रो कर बेहाल हो गए। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। अभी पुलिस हत्या समेत अन्य सभी संभावना-1ओं पर जांच कर रही है। घटनास्थल से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं और स्थानीय लोगों से

पृछताछ जारी है। घटनास्थल से खाली बोतल, नमकीन और डिस्पोजल ग्लास बरामद हुए हैं। पुलिस इन सबूतों को आधार बनाकर घटना की कड़ियों को जोड़ने की कोशिश कर रही है। डीएसपी आशीष रंजन ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। वहीं, दो युवकों की मौत से पूरे गांव में मातमी सन्नटा पसर गया है। लोग भय और आक्रोश में हैं और यही सवाल कर रहे हैं कि आखिर दोनों की मौत कैसे हुई।

पटना (एजेंसियां)।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान सूआ हवाई अड्डे पर आयोजित जनसभा स्थल पर भारी अव्यवस्था देखी गई। सभा में काफी कम संख्या में पुलिस बल लगाया गया था और लोगों की सुविधाओं का भी घोर अभाव था।

इसके अलावा कार्यक्रम स्थल पर मौजूद भीड़ लगातार उग्र व्यवहार कर रही थी और इन्हें नियंत्रित करने के लिए प्रशासन की ओर से कोई प्रयास नहीं हो रहे थे। मीडिया गैलरी एवं वीआईपी एरिया में भी पूरे कार्यक्रम के दौरान भारी भीड़ जमा रही, जिससे लोगों को भारी

पुलिस बल के अभाव में राहुल गांधी की जनसभा में अव्यवस्था

झरनों के बीच छुट्टी का आनंद लेने पहुंचे लोग



पेशानी उठानी पड़ी।

राहुल गांधी सासाराम में जनसभा को संबोधित करने के बाद डेहरी ऑन सोन होते हुए औरंगाबाद के लिए रवाना हो गए। इससे पूर्व राहुल गांधी ने सभा स्थल पर ही भोजन किया और फिर यात्रा के लिए विशेष रूप से

तैयार बस में सवार होकर औरंगाबाद के लिए निकल गए। राहुल गांधी औरंगाबाद में ही रात्रि विश्राम करेंगे। मतदाता अधिकार यात्रा औरंगाबाद से होते हुए गया, बिहारशरीफ, मुंगेर, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, कटिहार, भागलपुर, सीतामढ़ी, पूर्वी और

पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, छपरा और भोजपुर सहित अन्य जिलों से होकर गुजरेगी। वहीं, यात्रा का समापन एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान में आयोजित एक सार्वजनिक रैली के साथ होगा।

वहीं, राहुल गांधी की सभा के

दौरान जिले के पिकनिक स्थलों से हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई। अनुमान था कि कार्यक्रम में लोगों की भारी भीड़ जुटेगी, लेकिन यह आंकड़ा काफी कम रहा। राहुल गांधी की जनसभा को छोड़ भारी संख्या में लोग जिले के पिकनिक स्थलों पर मनोरंजन करते दिखे। पिकनिक स्थलों पर आम दिनों से भी ज्यादा भीड़ देखी गई।

गौरतलब है कि रोहतास जिले को झरनों का जिला कहा जाता है और यहां मानसून के दिनों में सैकड़ों झरने जीवंत हो उठते हैं। विंध्य पर्वत श्रृंखला के कैमूर पहाड़ी में झरनों की भरमार है, जहां प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी लोग घूमने आते हैं।

औंटा-सिमरिया महासेतु का 22 अगस्त को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, पूर्वोत्तर से जुड़ाव को मिलेगी मजबूती

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने वाला औंटा-सिमरिया महासेतु बनकर तैयार हो गया है। गंगा नदी पर बने 6 लेन के इस आधुनिक पुल का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 अगस्त को करेंगे।

1871 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल मोकामा के औंट घाट और बेगूसराय के सिमरिया को जोड़ता है। यह न सिर्फ उत्तर और दक्षिण बिहार की दूरी घटाएगा बल्कि पूर्वोत्तर राज्यों को जोड़ने में भी अहम कड़ी साबित होगा। इसके शुरू होने से उद्योग, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी।

गंगा पर बने इस पुल की लंबाई 1.865 किलोमीटर है, जबकि दोनों ओर के पहुंच पथ मिलाकर



इसकी कुल लंबाई 8.150 किलोमीटर है। लगभग दस वर्षों में तैयार हुआ यह पुल उत्तर और दक्षिण बिहार की कनेक्टिविटी को ऐतिहासिक रूप से बदल देगा। इसके संचालन से भारी वाहनों का दबाव घटेगा और सड़क यातायात



को नई सहूलियत मिलेगी। मोकामा-सिमरिया क्षेत्र में अब तक सिर्फ एक ही राजेंद्र सेतु था, जो रेल-सह-सड़क पुल है। इसका उद्घाटन 1959 में श्रीकृष्ण सिंह के शासनकाल में हुआ था। समय के साथ पुल पर यातायात



का दबाव असहनीय स्तर तक बढ़ गया था। अब 6 लेन वाला नया महासेतु इस बोझ को काफी हद तक कम करेगा और तेज रफ्तार कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। यह महासेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2015 में घोषित विशेष

पैकेज का हिस्सा है। 2017 में मोकामा में आयोजित कार्यक्रम में पीएम ने इस पुल की आधारशिला रखी थी। अब यह सपना हकीकत में बदल चुका है और 22 अगस्त को इसे जनता को समर्पित किया जाएगा।

महासेतु के साथ-साथ 22 अगस्त को बख्तियारपुर से मोकामा तक 44.60 किमी लंबी चार लेन सड़क का भी उद्घाटन किया जाएगा। इस परियोजना पर 1899 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इससे पहले पटना से बख्तियारपुर तक 4 लेन सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि सिमरिया से खगड़िया तक सड़क चौड़ीकरण का काम भी समाप्त हो चुका है। आगे खगड़िया से पूर्णिया तक 4 लेन सड़क निर्माण की योजना पर काम चल रहा है।

पटना (एजेंसियां)।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने विशेष सर्वेक्षण अमीनों की हड़ताल पर बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि जनहित से जुड़े 'राजस्व महाअभियान' में किसी भी तरह का व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हड़ताल पर गए अमीनों का लांगिन अकाउंट तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है और उन्हें सरकारी दफ्तरों में प्रवेश से भी रोक दिया गया है। सरकार अब उनकी नौकरी समाप्त करने और नए सिरे से बहाली की प्रक्रिया शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

बिहार सरकार ने राज्य में 16 अगस्त से 'राजस्व महाअभियान'

की शुरुआत की है, जो 20 सितंबर तक चलेगा। इस अभियान के तहत हर पंचायत में दो-दो शिविर लगाकर लोगों की भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। अमीनों को लैपटॉप के साथ इन शिविरों में मौजूद रहकर जनता की समस्याओं का तत्काल निपटारा करने का निर्देश दिया गया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान जनता की सीधी सेवा से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी तरह का व्यवधान स्वीकार नहीं होगा।

हड़ताल पर गए अमीनों को लेकर विभाग ने साफ संदेश दिया है कि जनता को धोखा देने वाली कोई भी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार

अभियान की सफलता में अमीनों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और उनकी अनुपस्थिति जनसेवा में सीधा व्यवधान है। ऐसे में हड़ताली अमीनों पर कठोरतम कार्रवाई तय मानी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, 14 अगस्त को अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अमीन संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई थी।

उस बैठक में अमीनों ने आश्वासन दिया था कि वे हड़ताल पर नहीं जाएंगे और पूरी निष्ठा से अभियान में सहयोग करेंगे। लेकिन इसके बावजूद कुछ अमीन हड़ताल पर चले गए। सरकार इसे स्पष्ट धोखा मान रही है और अब उनके खिलाफ कड़ा कदम उठाने की तैयारी में है।

बिजली के खंभे की चपेट में आने से इंटर की छात्रा की मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के लकड़ीढाई मोहल्ले में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे में दौड़ रहे करंट की चपेट में आने से इंटर की 16 वर्षीय छात्रा ज्योति कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। छात्रा वैशाली

जिले के सलेमपुर निवासी मुकेश सहनी की पुत्री थी और ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रही थी।

मृतका ज्योति कुमारी सुबह घर से पास की दुकान में सामान लेने निकली थी। इसी दौरान सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे के संपर्क में आते ही वह करंट की चपेट में आ गई। देखते



ही देखते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों की भीड़ जुट गई। परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है।

हादसे के बाद परिजनों का गुस्सा बिजली विभाग पर फूट पड़ा। परिजनों ने आरोप लगाया कि विभाग की ला-परवाही के कारण ज्योति की जान गई

है। उनका कहना है कि खंभे में लंबे समय से करंट दौड़ रहा था, लेकिन शिकायतों के बावजूद विभाग ने इसे ठीक नहीं कराया।

ग्रामीणों ने भी विभाग पर गंभीर ला-परवाही का आरोप लगाते हुए विरोध शुरू कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही

सिकंदरपुर थाना प्रभारी रमन राज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि छात्रा की मौत करंट लगने से हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थाना प्रभारी ने कहा कि परिजनों द्वारा आ-वेदन देने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।